Uturn Time 21 Jan 2026_Layout 2 20-01-2026 11:21 Page 1

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

4th Year Anniversary

यूटर्नटाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

मेहनत से डेली मिले, लगभग एक हजार।
बिना परिश्रम भीख से, मिलते कई हजार।
मिलते कई हजार, भीख में आगत-आगत।
आमदनी भरपूर, लगे ना कोई लागत।
कह साहिल कविराय, निरंतर है घर भरता।
मांग-मांग कर भीख, बड़ी मैं मौजें करता।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 10 | WEDNESDAY 21-01-2026 | RS-03 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

क्या पत्थरों का शहर बनता जा रहा है लुधियाना? विकास के नाम पर इमारतें, सुविधाओं के नाम पर दिनभर जाम...

करोड़ों का टैक्स, मगर न सड़कें सुधरीं न ट्रैफिक–ग्लाडा, निगम की मंजूरियों ने बढ़ाया शहर का बोझ

लुधियाना/यूटर्न/20 जनवरी। कभी पंजाब का कारोबारी दिल कहलाने वाला लुधियाना आज विकास नहीं बल्कि अव्यवस्था की तस्वीर बनता जा रहा है। राजनेताओं और अफसरशाही की लालसा के चलते शहर में डिवैलपमेंट के नाम पर सिर्फ पत्थरों का जंगल खड़ा किया जा रहा है। रिहायशी इलाकों में ऊंची-ऊंची कमर्शियल इमारतें तो बना दी गईं, लेकिन जिन सुविधाओं का वादा किया गया था, वे आज भी फाइलों तक सीमित हैं। हालात यह हैं कि सुबह से शाम तक शहर का बड़ा हिस्सा ट्रैफिक जाम में जकड़ा रहता है। पक्खोवाल रोड हो या साउथर्न बाइपास से जुड़ी साउथ सिटी और आसपास की कॉलोनियां— हर तरफ लोगों की जिंदगी जाम में उलझ चुकी है। ग्लाडा ने डिवैलपर्स और कॉलोनाइजरों से एड्स और डिवैलपमेंट फीस के नाम पर करोड़ों रुपये वसूले, मगर उस पैसे से शहर को क्या मिला, यह सवाल आज भी जनता के सामने अनुत्तरित है।

गलती ग्लाडा और निगम की, भुगतती जनता और ट्रैफिक पुलिस...पक्खोवाल रोड पर रोजाना रात को लगने वाले लंबे जाम किसी से छिपे नहीं हैं। शादी सीजन में हालात इतने बिगड़ जाते हैं कि लोग शाम 8 बजे निकलकर 11-12 बजे तक ही पहुंच पाते हैं। पहले बिना सोचे-समझे प्रोजेक्ट मंजूर होते हैं और फिर ट्रैफिक संभालने की जिम्मेदारी ट्रैफिक पुलिस पर डाल दी जाती है, जबकि असली वजह प्लानिंग की कमी है।

कुछ किलोमीटर में 10 से ज्यादा पैलेस-रेस्त्रां...फुल्लावाल चौक और सोथेरन बाईपास पर मैरिज पैलेस, रेस्त्रां ,फ़्लैट , कमेरिकाल प्रोजेक्ट खुलते जा रहे हैं। भारी भीड़, पार्किंग का अभाव और सड़क किनारे खड़े वाहन रोज जाम को और गहरा बना रहे हैं। यह सब मंजूरियों की उस नीति का नतीजा है, जिसमें सुविधा से ज्यादा कमाई को तवज्जो दी गई।

***नई मंजूरियां, नया संकट...**साउथर्न एक्सप्रेससवे ,फिरोजपुर रोड ,पक्खोवाल रोड, घुमारमंडी , रानी झाँसी रोड , फवारा चौक, समिट्री रोड , सत्पाल मितल मल्हार रोड,गुरदेव नगर , बीआरएस नगर , शहीद भगत सिंह नगर इत्यादि इलाकों में नए हाऊसिंग और कमर्शियल प्रोजैक्टों को बिना सोचे समझे धड़ल्ले से मंजूरी दी जा रही है । जानकारों का कहना है कि अगर अभी ब्रेक नहीं लगाया गया तो आने वाले समय में लोग इस रोड से गुजरने से भी डरेंगे।*

मास्टर प्लान सिर्फ कागजों तक...जिन सुविधाओं को मास्टर प्लान में दिखाकर दर्जनों प्रोजेक्ट पास किए गए, वे न तो जमीन पर उतरीं और न ही भविष्य में उनकी कोई ठोस योजना नजर आती है। इसके बावजूद हर साल करोड़ों का रेवेन्यू लेकर नए-नए प्रोजेक्ट धड़ल्ले से मंजूर किए जा रहे हैं। नतीजा यह है कि पूरा शहर पत्थरों से भरता जा रहा है और नागरिक सुविधाएं सिकुड़ती जा रही हैं। सूत्रों की मानें तो मौजूदा समय में भी ग्लाडा के पास करीब 100 नए प्रोजेक्ट्स की फाइलें लंबित हैं, जिन्हें निजी स्वार्थों के चलते कभी भी हरी झंडी मिल सकती है, बिना यह सोचे कि टैक्स से जनता को सुविधा मिलेगी भी या नहीं।

बिना प्लानिंग बढ़ रहा कंक्रीट का बोझ

शहर के एक्सपर्ट्स बताते हैं कि किसी भी प्रोजेक्ट से पहले ट्रैफिक लोड, सड़क की क्षमता, पार्किंग, आबादी पर असर और सार्वजनिक सुविधाओं का अध्ययन जरूरी होता है। मगर पक्खोवाल रोड और आसपास के इलाकों में यह सब प्रक्रिया सिर्फ कागजों में निभाई जा रही है। चर्चा है कि फीस लेकर औपचारिकताएं पूरी कर दी जाती हैं और जमीनी सच्चाई को नजरअंदाज कर दिया जाता है। नियमों को ताक पर रखकर पास हो रहे प्रोजेक्ट्स का सीधा नुकसान आम आदमी को उठाना पड़ रहा है, जो रोज घंटों जाम में फंसकर अपनी जिंदगी का कीमती समय गंवा रहा है।

सवाल जनता का—सरकार कब जागेगी?

चर्चा है कि कई प्रोजेक्ट्स आपसी मिलीभगत से पास किए गए हैं और जनता की परेशानी सरकार तक सही तरीके से पहुंच ही नहीं रही। अब सवाल यह है कि क्या पंजाब सरकार और संबंधित हाउसिंग मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां इस पूरे मॉडल की जांच कर शहर को राहत देंगे या लुधियाना यूं ही पत्थरों का शहर बनता जाएगा और नागरिक जाम में अपनी जिंदगी बिताते रहेंगे।

Uturn Time 21 Jan 2026_Layout 2 20-01-2026 11:21 Page 2

Celebrate your Birthday or Anniversary with UTURN TIME in association with

Hot Breads

0161-4603333, 5012222

2 LUCKY WINNERS WILL GET CAKE WORTH OF ₹1200 EACH

*WINNERS WILL BE DECIDED THROUGH LUCKY DRAW *T&C

FOR MORE DETAILS, CALL: 99882-20063, 98142-95372
janhetaishi@gmail.com, hetaishinews@gmail.com

All rights about Distribution & Offer will be reserved by U-TURN TIME MANAGEMENT Only.

प्रशासन की बड़ी पहलः 'वन डिस्ट्रिक्ट वन ब्रांड' से चमकेगी स्वयं सहायता समूहों की किस्मत

लुधियाना, यूटर्न, 20 जनवरी। जिले के स्वयं सहायता समूहों (SHGs) द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए जिला प्रशासन लुधियाना ने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन ब्रांड' (ODOB) पहल का रोडमैप तैयार कर लिया है। अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास) श्री अमरजीत बैंस के मार्गदर्शन में इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए पहली उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बिखरे हुए बाजार को मिलेगा एक 'यूनिफाइड ब्रांड'

बैठक में इस बात पर विचार-विमर्श किया गया कि अब तक स्वयं सहायता समूहों के उत्पाद अलग-अलग और छोटे स्तर पर बेचे जा रहे हैं। नई पहल के तहत, पूरे जिले के SHG उत्पादों को एक एकल और एकीकृत (Unified) ब्रांड पहचान दी जाएगी। इससे न केवल उत्पादों की विश्वसनीयता बढ़ेगी, बल्कि उन्हें एक पेशेवर प्लेटफॉर्म भी मिलेगा।

गुणवत्ता और ई-कॉमर्स पर मुख्य फोकस

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 'वन डिस्ट्रिक्ट वन ब्रांड' केवल एक नाम नहीं होगा, बल्कि इसके तहतः

क्वालिटी कंट्रोलः उत्पादों की गुणवत्ता की सख्त जांच होगी।

मानकीकरण (Standardization): सभी उत्पादों के लिए एक मानक प्रक्रिया (SOP) तय की जाएगी।

डिजिटल मार्केटः इन उत्पादों को अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया जाएगा।

मार्केटिंग सपोर्टः जिला प्रशासन ब्रांडिंग और मार्केटिंग की जिम्मेदारी संभालेगा।

महिला सशक्तिकरण को मिलेगी नई उड़ान

श्री अमरजीत बैंस ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के नेतृत्व वाले SHG उद्यमों को मजबूत करना और उनकी आय के साधनों में वृद्धि करना है। इस मॉडल को पूरे जिले में व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा ताकि यह लंबे समय तक टिकाऊ और सफल बना रहे।

इस बैठक में मुख्य सुशासन सेल के अधिकारी अंबर बंदोपाध्याय, डीबीईई के जीवंदीप सिंह और गवर्नेंस एसोसिएट देविका मल्होत्रा भी उपस्थित रहीं।

पेंशन खैरात नहीं, अधिकार है—34 साल बाद 83 वर्षीय विधवा के पक्ष में हाईकोर्ट का सख्त फैसला

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। तीन दशक से अधिक समय तक सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने के बाद आखिरकार 83 वर्षीय वृद्ध विधवा को न्याय मिला है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया है कि वह याचिकाकर्ता को फैमिली पेंशन नियमित रूप से जारी करे और सीमित अवधि का बकाया छह प्रतिशत ब्याज सहित अदा करे। अदालत ने दो टूक कहा कि पेंशन किसी सरकार की कृपा नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार है और इसका भुगतान न किया जाना 'निरंतर अन्याय' की श्रेणी में आता है। यह आदेश जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ ने बदका देवी की याचिका पर पारित किया। बदका देवी के पति स्वर्गीय राम दास लुधियाना इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट में माली के पद पर कार्यरत थे और 20 जुलाई 1991 को सेवा के दौरान उनका निधन हो गया था। नियमों के अनुसार पत्नी को फैमिली पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ मिलने चाहिए थे, लेकिन 34 वर्षों तक उन्हें कोई राशि नहीं दी गई। याचिका में बताया गया कि बदका देवी निरक्षर और आर्थिक रूप से कमजोर हैं तथा सरकारी प्रक्रिया की जानकारी के अभाव में वह प्रभावी ढंग से अपने अधिकारों की पैरवी नहीं कर सकीं। इसके बावजूद उन्होंने विभाग को कई बार आवेदन दिए और जरूरी दस्तावेज भी सौंपे, लेकिन न तो फैमिली पेंशन स्वीकृत हुई और न ही अन्य पेंशनरी लाभ। राज्य सरकार ने अदालत में तर्क दिया कि याचिका अत्यधिक देरी से दायर की गई है और इस पर 'लाचेस' का सिद्धांत लागू होता है। यह भी कहा गया कि आवश्यक कंट्रीब्यूटरी पेंशन फंड जमा नहीं कराया गया था। हालांकि, सरकार ने यह स्वीकार किया कि दिसंबर 2025 में फैमिली पेंशन स्वीकृत करने के निर्देश संबंधित प्राधिकरण को जारी कर दिए गए हैं। हाईकोर्ट ने इन दलीलों को स्वीकार करने से इनकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला दिया और स्पष्ट किया कि पेंशन का अधिकार एक सतत अधिकार है। अदालत ने कहा कि हर महीने पेंशन न मिलना अपने आप में एक नया कारण-ए-दावा पैदा करता है, इसलिए केवल देरी के आधार पर वृद्ध विधवा के दावे को खारिज नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि पेंशन का सीधा संबंध संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 से है, क्योंकि यह वृद्ध नागरिक के सम्मानजनक जीवन और आजीविका की गारंटी देता है। हालांकि संतुलन बनाते हुए अदालत ने बकाया भुगतान को सीमित अवधि तक ही मंजूर किया। अंततः हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि बदका देवी को याचिका दायर करने की तिथि से तीन वर्ष पूर्व तक की फैमिली पेंशन का एरियर छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित दिया जाए और चार सप्ताह के भीतर नियमित मासिक पेंशन भुगतान शुरू किया जाए।

अमेरिकी डॉलर ₹91.03 पर पहुंचाः रुपये में रिकॉर्ड गिरावट के क्या कारण थे और आगे क्या होगा

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तेजी से कमजोर होकर ₹91.03 पर पहुंच गया, जो एक ऐतिहासिक निचला स्तर है और तेजी से बदलते वैश्विक आर्थिक माहौल के बीच उभरते बाजार की मुद्राओं पर बढ़ते दबाव को दिखाता है। विश्लेषकों ने कहा कि यह गिरावट वैश्विक डॉलर की मजबूती, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, पूंजी के बाहर जाने और घरेलू मैक्रोइकोनॉमिक चुनौतियों का मिला-जुला नतीजा है। वैश्विक स्तर पर, इसका मुख्य कारण अमेरिकी डॉलर का फिर से मजबूत होना है क्योंकि निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर भाग रहे हैं। बढ़े हुए भू-राजनीतिक तनाव—खासकर अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ते व्यापारिक संघर्ष और व्यापक वैश्विक अस्थिरता के डर—ने वैश्विक निवेशकों को डॉलर, अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड और सोने की ओर धकेल दिया है। जैसे-जैसे जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी, भारत जैसे उभरते बाजारों से पूंजी बाहर निकलने लगी, जिससे रुपये पर नीचे की ओर दबाव पड़ा। एक और अहम कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व का सख्त रुख रहा है। अमेरिका में लगातार महंगाई ने ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को टाल दिया है, जिससे अमेरिकी बॉन्ड यील्ड ऊंचे बने हुए हैं। ज्यादा यील्ड डॉलर-आधारित संपत्तियों को ज्यादा आकर्षक बनाती है, जिससे विश्व स्तर पर डॉलर की मांग बढ़ जाती है। अमेरिका और भारत के बीच ब्याज दर में इस बढ़ते अंतर ने विदेशी निवेशकों को भारतीय संपत्तियों से दूर अपने पोर्टफोलियो को फिर से संतुलित करने के लिए प्रोत्साहित किया है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (FPI) के बाहर जाने ने रुपये की गिरावट में बड़ी भूमिका निभाई है। हाल के हफ्तों में, FPI भारतीय इक्विटी और डेट में नेट सेलर रहे हैं, वैश्विक विकास, मूल्यांकन दबाव और मुद्रा जोखिम को लेकर चिंताओं के बीच फंड निकाल रहे हैं। जैसे ही FPI रुपये की संपत्ति बेचते हैं और उससे मिले पैसे को डॉलर में बदलते हैं, डॉलर की मांग और बढ़ जाती है, जिससे रुपये की गिरावट और तेज हो जाती है।

भारत का बढ़ता व्यापार घाटा मुद्रा पर दबाव बढ़ाता है...घरेलू मोर्चे पर, भारत के बढ़ते व्यापार घाटे ने मुद्रा पर दबाव बढ़ा दिया है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने आयात बिल को काफी बढ़ा दिया है, जबकि वैश्विक मांग में कमी के कारण निर्यात वृद्धि धीमी रही है। चूंकि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का 80 प्रतिशत से ज्यादा आयात करता है, इसलिए तेल की कीमतों में कोई भी लगातार वृद्धि सीधे चालू खाता घाटे पर असर डालती है और रुपये को कमजोर करती है। इसके अलावा, तेल विपणन कंपनियों, आयातकों और विदेशी देनदारियों की हेजिंग करने वाली फर्मों से डॉलर की मजबूत मांग ने स्पॉट मार्केट में दबाव बढ़ा दिया है। जैसे ही रुपया मनोवैज्ञानिक स्तरों से नीचे गिरा, स्टॉप-लॉस ट्रिगर और सट्टेबाजी की स्थितियों ने गिरावट को और बढ़ा दिया। माना जाता है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए बीच-बीच में दखल दिया, और अपने फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व से डॉलर बेचे। हालांकि, मार्केट के जानकारों का कहना है कि सेंट्रल बैंक धीरे-धीरे गिरावट को होने देने में सहज दिख रहा है, जब तक कि उतार-चढ़ाव व्यवस्थित रहें। कमजोर रुपया एक्सपोर्ट में मदद कर सकता है और कॉम्पिटिटिवनेस को बेहतर बना सकता है, लेकिन अचानक और तेजी से गिरावट से इंपोर्ट महंगा होने से महंगाई का खतरा बढ़ जाता है।

Uturn Time 21 Jan 2026_Layout 2 20-01-2026 11:21 Page 3

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 06 माता चिंतपूर्णी के दर्शन के लिए 151वीं बस यात्रा...

लुधियाना पुलिस द्वारा संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

नवीन गोगना

लुधियाना, यूटर्न, 20 जनवरी। संगठित अपराध के खिलाफ अपनी निरंतर और दृढ़ मुहिम के तहत, लुधियाना पुलिस ने तड़के सुबह एक सुव्यवस्थित योजना के अनुसार बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए शहर और आसपास सक्रिय संगठित आपराधिक नेटवर्क को तोड़ने के लिए छापेमारी की। यह कार्रवाई पूरी तरह समन्वित और योजनाबद्ध थी, जिसका उद्देश्य आपराधिक गिरोहों के नेटवर्क को ध्वस्त करना, जन सुरक्षा सुनिश्चित करना और राज्य में शांति व स्थिरता बनाए रखना था।

उद्देश्य आपराधिक गिरोहों के नेटवर्क को ध्वस्त करना

इस कार्रवाई के तहत, लुधियाना कमिश्नरेट के सभी यूनिटों से गठित 100 से अधिक पुलिस टीमों ने एक साथ 255 चिन्हित गैंगस्टरों, उनके साथियों तथा उन्हें शरण या लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करने वाले व्यक्तियों के ठिकानों पर लक्षित छापे मारे। यह कार्रवाई पूरी तरह खुफिया जानकारी पर आधारित थी और इसका मुख्य उद्देश्य संगठित आपराधिक गिरोहों की कार्यप्रणाली को तोड़ना था।

लुधियाना के पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा,ने बताया कि इस संयुक्त कार्रवाई के दौरान 233 से अधिक हार्डकोर अपराधियों, उनके सहयोगियों और रिश्तेदारों को घेरा गया। इनमें से 118 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि बाकी से पूछताछ कर उनकी गतिविधियों की जांच और सत्यापन किया गया।

कार्रवाई के दौरान महत्वपूर्ण बरामदगियां भी हुईं, जिनमें शामिल हैं

13 पिस्तौल — 430 नशीली गोलियां
144 ग्राम हेरोइन — 96 शराब की बोतलें

इसके अलावा, कई घोषित अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि यह कार्रवाई संगठित अपराध के खिलाफ चल रही राज्य-स्तरीय मुहिम का हिस्सा है, जिसे माननीय मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान और डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, पंजाब, गौरव यादव, आईपीएस के दिशा-निर्देशों के अनुसार अंजाम दिया गया। स्वपन शर्मा, आईपीएस, ने दोहराया कि लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस शहर से अपराध के खात्मे और निवासियों को सुरक्षित, निश्चिंत एवं भयमुक्त माहौल प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस प्रकार की संयुक्त और खुफिया जानकारी पर आधारित कार्रवाइयाँ भविष्य में भी जारी रहेंगी, ताकि इस जिले में आपराधिक तत्वों के लिए कोई स्थान न बचे।

भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष को अधिवक्ता सौरभ कपूर द्वारा मिल कर बधाई दी गए

सुनील पांडे

लुधियाना / यूटर्न / भाजपा नेता एडवोकेट सौरभ कपूर ने भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन जी से दिल्ली में आत्मीय भेंट कर नए दायित्व हेतु बधाई और शुभकामनाएँ दीं। एडवोकेट सौरभ कपूर ने कहा कि नितिन नबीन जी का संगठनात्मक अनुभव, कौशल नेतृत्व और जमीनी पकड़ पार्टी को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगी।

ई-कचरा प्रबंधन की नई पहल: रोज गार्डन में लगा शहर का पहला 'ई-बिन'

लुधियाना, यूटर्न, 20 जनवरी। पर्यावरण संरक्षण और इलेक्ट्रॉनिक कचरे (E-waste) के सही निपटान की दिशा में लुधियाना नगर निगम ने एक बड़ा कदम उठाया है। शहर के प्रसिद्ध रोज गार्डन की पार्किंग में लुधियाना का पहला 'ई-बिन' स्थापित किया गया है।

प्रमुख हस्तियों ने किया उद्घाटन

इस विशेष ई-बिन का औपचारिक उद्घाटन माननीय मेयर इंद्रजीत कौर द्वारा किया गया। इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर आदित्य दैचवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे अपने पुराने मोबाइल, चार्जर, बैटरी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक कचरे को कूड़े में फेंकने के बजाय इन बिन्स में डालें।

फिलान्थ्रोपी क्लब का सराहनीय सहयोग

यह पहल 'फिलान्थ्रोपी क्लब' द्वारा अरविंदर पड्डा के नेतृत्व में शुरू की गई है। इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने में लखमिंदर, विमी बजाज, अनु गुप्ता, जैज भोगल, महक बंसल और प्रीति कपूर ने सक्रिय भूमिका निभाई है।

कैसे होगा कचरे का निपटान ?

इन बिन्स में इकट्ठा होने वाले ई-वेस्ट को 'रीसाइक्लिंग विला' द्वारा हर 15 दिनों में एकत्र किया जाएगा। इसके बाद, वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल (Eco-friendly) तरीके से इस कचरे को रीसायकल किया जाएगा ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे।

इन जगहों पर भी जल्द लगेंगे ई-बिन

रोज गार्डन में मिली सफलता के बाद, प्रशासन ने जनवरी के अंत तक शहर के चार अन्य प्रमुख स्थानों पर भी ई-बिन लगाने का निर्णय लिया है :

डी.सी. कॉम्प्लेक्स
किप्स मार्केट
ट्यूशन मार्केट (मॉडल टाउन एक्सटेंशन)
कोचर मार्केट

> "यह कदम लुधियाना को साफ, हरा-भरा और टिकाऊ शहर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। हम नागरिकों को सुरक्षित ई-वेस्ट निपटान के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं।
>
> — नगर निगम प्रशासन

हाथी मार्का की डीलर मीट बनी मुख्य आकर्षण का केंद्र

पठानकोट, यूटर्न, 20 जनवरी। आज के समय में, जब कंज्यूमर उन ब्रांड्स की ओर आकर्षित हो रहे हैं जो प्रामाणिकता और भरोसे पर खड़े हों, हाथी मार्का भारतीय रसोई में विश्वसनीयता का प्रतीक बनकर उभरा है। यह विरासत बीपी ऑयल मिल्स के ऐतिहासिक डीलर सम्मेलन में रूपरंपरा एंड प्रोग्रेसरू विषय के अंतर्गत मुख्य आकर्षण रही, जो कंपनी की कुकिंग ऑयल उद्योग में सौ वर्षों से अधिक की स्थायी उपस्थिति का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया। हाथी मार्का केवल एक कुकिंग ऑयल ब्रांड नहीं रहा यह पीढ़ियों से घर-घर में शुद्धता, ताकत और भरोसे का नाम बन गया है। पारंपरिक पारिवारिक भोजन से लेकर रोजमर्रा की रसोई तक, हाथी मार्का ब्रांड ने दशकों तक बिना किसी समझौते के गुणवत्ता प्रदान की है, जिससे यह बीपी ऑयल मिल्स की सबसे भरोसेमंद और पहचानने योग्स ब्रांड में से एक बन गया।

विधायक बग्गा ने वार्ड 88 में बुड्ढे नाले की रिटेनिंग वॉल के निर्माण का किया उद्घाटन

लुधियाना, यूटर्न, 20 जनवरी। मानसून के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या से शहरवासियों को राहत दिलाने के लिए लुधियाना उत्तर से विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा ने वार्ड नंबर 88 में बुड्ढे नाले (दरिया) के किनारे रिटेनिंग वॉल (सुरक्षा दीवार) के निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया।

1.94 करोड़ रुपये की लागत से होगा विकास

विधायक बग्गा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत जैन नगर, शिवपुरी पुली से बसंत नगर तक बुड्ढे नाले के किनारे सुरक्षा दीवार बनाई जाएगी। इस पर कुल 1.94 करोड़ रुपये (क्रमशः 95 लाख और 99 लाख रुपये) खर्च किए जाएंगे।

बाढ़ जैसी स्थिति से मिलेगा छुटकारा...लंबे समय से जैन नगर, बसंत नगर और गांधी नगर के निवासी शिकायत कर रहे थे कि बारिश के दौरान नाले का पानी ओवरफ्लो होकर उनके घरों और गलियों में घुस जाता है। विधायक ने कहा, रूपिछली सरकारें इस समस्या का समाधान करने में विफल रहीं, लेकिन हमने जनता से किया वादा पूरा किया है। इस दीवार के बनने से भविष्य में ओवरफ्लो का खतरा खत्म हो जाएगा।रू

समय सीमा और अन्य सुविधाएं...विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य आगामी बरसात से पहले हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी घोषणा की कि दीवार बनने के बाद क्षेत्र में बेहतर रोशनी के लिए नई स्ट्रीट लाइटें भी लगाई जाएंगी। उन्होंने दोहराया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई में लुधियाना उत्तर के विकास के लिए अनुदान की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। इस अवसर पर पार्षद नीरज आहूजा, पार्षद अमन बग्गा और बड़ी संख्या में इलाका निवासी उपस्थित थे।

Uturn Time 21 Jan 2026_Layout 2 20-01-2026 11:21 Page 4

जनवरी माह में पुलिस ने अब तक ड्रंकन ड्राइविंग के 523 चालान काटे, 38 वाहन इंपाउंड

पंचकूला, यूटर्न, 20 जनवरी। सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पंचकूला पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ इस वर्ष भी सख्त और प्रभावी कार्रवाई शुरू कर दी है। पिछले वर्ष की तर्ज पर इस वर्ष भी पुलिस का मुख्य उद्देश्य सड़क हादसों में कमी लाना और आम नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर एल्कोसेंसर के माध्यम से नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनवरी माह के पहले 19 दिनों में पंचकूला पुलिस ने एल्कोसेंसर से जांच के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले 523 चालकों के चालान काटे हैं। इसके साथ ही यातायात नियमों का गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर 38 वाहनों को इंपाउंड किया गया है। यह कार्रवाई दुर्घटना संभावित क्षेत्रों, भीड़भाड़ वाले चौराहों और मुख्य सड़कों पर विशेष निगरानी के साथ की गई।

एसीपी ट्रैफिक सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि सड़क हादसों की प्रमुख वजहों में शराब पीकर वाहन चलाना सबसे गंभीर कारण है। ऐसे मामलों में चालक का संतुलन और निर्णय क्षमता प्रभावित होती है, जिससे जानलेवा दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए पंचकूला पुलिस द्वारा बिना किसी ढील के सख्ती बरती जा रही है और यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है और इसे सुनिश्चित करना पुलिस विभाग का अहम दायित्व है। सड़क हादसों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जो भी जरूरी कदम उठाए जा सकते हैं, उन्हें पूरी गंभीरता और निरंतरता के साथ लागू किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं और सुरक्षित ड्राइविंग को अपनी आदत बनाएं।

मान कैबिनेट के बड़े फैसले: गन्ना किसानों को ₹68.50 की सब्सिडी, 1000 योग प्रशिक्षकों की होगी भर्ती

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में आज हुई कैबिनेट बैठक में किसान कल्याण और जन स्वास्थ्य को लेकर कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। सरकार ने गन्ना किसानों के लिए 68.50 रुपये प्रति क्विंटल की सीधी सब्सिडी को मंजूरी दी है। इस फैसले के साथ पंजाब अब देश में गन्ने का सर्वाधिक भाव (₹416 प्रति क्विंटल) देने वाला राज्य बन गया है।

स्वास्थ्य और योग को बढ़ावा

'सीएम दी योगशाला' मुहिम को विस्तार देते हुए कैबिनेट ने 1,000 नए योग प्रशिक्षकों के पदों के सृजन को हरी झंडी दी है। इसके लिए वर्ष 2026-27 में 35 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। साथ ही, बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए बादल, खड़ूर साहिब और फाजिल्का के अस्पतालों को बाबा फरीद यूनिवर्सिटी (BFUHS) को सौंपने का निर्णय लिया गया है।

प्रशासनिक और शहरी सुधार

शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए नगर निगम की संपत्तियों के हस्तांतरण और पुराने जल मार्गों (खालों) के उपयोग हेतु नई नीति को मंजूरी दी गई है। साथ ही, किफायती संपत्ति पंजीकरण (PAPRA) लाइसेंस की अवधि एक साल के लिए बढ़ा दी गई है।

बागवानी में जापानी तकनीक

फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए पंजाब सरकार जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी के साथ मिलकर काम करेगी। इसका उद्देश्य जापानी तकनीक के जरिए राज्य की बागवानी अर्थव्यवस्था को दोगुना करना और कोल्ड चेन बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

चट्ठा फूड्स ने कर्मचारियों और जरूरतमंद मजदूरों को बांटे गर्म कंबल

लालडू, यूटर्न, 20 जनवरी। लालडू में चट्ठा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने अपने कर्मचारियों को परिवार मानते हुए सराहनीय पहल की। कंपनी की ओर से करीब 300 कर्मचारियों और जरूरतमंद दिहाड़ीदार मजदूरों को सर्दी से बचाव के लिए गर्म कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर चट्ठा ग्रुप के चीफ ऑपरेशन ऑफिसर (सीओओ) गगनदीप सिंह बेदी और हेड कॉरपोरेट एचआर रचना चौधरी विशेष रूप से मौजूद रहे। प्लांट हेड एचआर सोहन सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी लंबे समय से अपने कर्मचारियों का विशेष ध्यान रखती आ रही है और उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानती है। उन्होंने कहा कि चट्ठा फूड्स में सभी धार्मिक त्योहारों को पूरी आस्था के साथ मनाया जाता है और इस बार कड़ाके की ठंड को देखते हुए कर्मचारियों के लिए कंबल वितरण का निर्णय लिया गया।

बद्दोवाल फायरिंग केस में बड़ा खुलासा

कौशल चौधरी प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया, साथी से पूछताछ जारी

चरणजीत सिंह चन्न

जगरांव/यूटर्न/20 जनवरी। बद्दोवाल फायरिंग केस में दाखा थाना पुलिस की जांच तेज होती जा रही है। इस मामले में गुरुग्राम जेल में बंद गैंगस्टर कौशल चौधरी को प्रोडक्शन वारंट पर दाखा लाया गया था। पुलिस रिमांड पूरा होने के बाद माननीय अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। अब इस केस में एक और बड़े आरोपी को हरियाणा जेल से प्रोडक्शन वारंट पर दाखा लाया गया है। आरोपी पर हत्या, रंगदारी और मारपीट सहित करीब 50 संगीन केस दर्ज हैं। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से माननीय अदालत ने तीन दिन का पुलिस रिमांड दिया है। फिलहाल दाखा पुलिस उससे गहन पूछताछ कर रही है और उम्मीद जताई जा रही है कि पूछताछ में कई राज्यों से जुड़े बड़े राज सामने आ सकते हैं।

DSP वरिंदर सिंह खोसा ने बताया कि भारी पुलिस सुरक्षा के बावजूद कौशल चौधरी ने थाने की दीवार फांदकर भागने की कोशिश की थी, लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। इस दौरान उसके पैरों में चोटें आईं। पुलिस ने उसके खिलाफ फरार होने की कोशिश का अलग केस भी दर्ज किया और उसे स्ट्रेचर पर अदालत में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गौरतलब है कि बद्दोवाल फायरिंग मामले में परविंदर सिंह के बयान पर दाखा पुलिस ने पहले दो अज्ञात शूटरों के खिलाफ केस दर्ज किया था। शिकायत में बताया गया था कि 10 जनवरी को सुबह करीब 10:30 बजे लुधियाना-फिरोजपुर नेशनल हाईवे पर ITBP गेट बद्दोवाल के सामने पुराने कार शोरूम के बाहर बाइक सवार दो हमलावरों ने दोनों हाथों में रिवॉल्वर लेकर महंगी गाड़ियों और शोरूम पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी और मौके से फरार हो गए थे।

भागते समय शूटर मोहब्बत रंधावा और पवन शौकीन के नाम लिखी दो पर्चियां फेंक गए थे। इन्हीं सुरागों के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पुलिस ने पवन शौकीन की पत्नी विजय कुमारी और नवीन देसवाल को गिरफ्तार कर लिया है, जो फिलहाल लुधियाना जेल में बंद हैं। बद्दोवाल गोलीकांड की परतें अब धीरे-धीरे खुल रही हैं। पुलिस शूटरों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है और दावा किया जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस केस से जुड़े कई और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

मूर्ति स्थापना दिवस 22 को

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/20/जनवरी। श्री राधा कृष्ण की मूर्ति स्थापना का 13वां स्थापना दिवस 22 जनवरी को श्री सत ईश्वर मंदिर मंडी मुल्लांपुर में पूरी संगत के सहयोग से बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। शिव मंदिर महिला मंडल और श्री सत ईश्वर शिव मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित यदुनाथ तिवारी और सरोज सिंगला ने बताया कि सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक भजन गायक संदीप उधनवाल एंड पार्टी भजन गाएंगे, जिसके बाद लंगर लगाया जाएगा।

Uturn Time 21 Jan 2026_Layout 2 20-01-2026 11:21 Page 5

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 08 दीवाली से अब तक चांदी में 50% से ज्यादा उछाल...

कांग्रेस का डिजिटल प्रयोग: 'आइडियाज बैंक' से चंडीगढ़वासी बनेंगे नीति निर्माण के भागीदार

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। शहर के विकास से जुड़े फैसलों में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चंडीगढ़ कांग्रेस ने एक नई डिजिटल पहल शुरू की है। चंडीगढ़ टेरिटोरियल कांग्रेस कमेटी ने 'आइडियाज बैंक' नाम से एक ऑनलाइन मंच लॉन्च किया है, जिसके जरिए नागरिक सीधे अपने सुझाव, समस्याएं और समाधान साझा कर सकेंगे।

यह प्लेटफॉर्म www.chdnext.com पर उपलब्ध है और इसे सभी वर्गों के लोगों के लिए खुला रखा गया है। यहां नागरिक बुनियादी सुविधाओं, ट्रैफिक व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक स्थानों की स्थिति, प्रशासनिक कार्यप्रणाली और स्थानीय मुद्दों पर अपने विचार दर्ज कर सकते हैं। कांग्रेस का कहना है कि यह मंच केवल सुझाव एकत्र करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जनभागीदारी आधारित नीति निर्माण का आधार बनेगा।

इस पहल पर प्रतिक्रिया देते हुए चंडीगढ़ से सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि शहर के नागरिक जागरूक हैं और समस्याओं के समाधान को लेकर स्पष्ट सोच रखते हैं। ह्यआइडियाज बैंकह्न उन्हें अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने का अवसर देगा और लोकतांत्रिक संवाद को मजबूत करेगा।

चंडीगढ़ टेरिटोरियल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरमोहींदर सिंह लक्की ने बताया कि प्राप्त सुझावों का विश्लेषण कर प्राथमिक मुद्दों की पहचान की जाएगी, ताकि शहर से जुड़े अहम सवालों पर ठोस रणनीति बनाई जा सके। कांग्रेस नेताओं के अनुसार छात्र, युवा, व्यापारी, आरडब्ल्यूए, वरिष्ठ नागरिक और सामाजिक संगठन इस मंच से जुड़कर नीति निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकेंगे।

श्रम मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद द्वारा निर्माण श्रमिकों के लिए 'वेलफेयर हैंडबुक' जारी

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। पंजाब के श्रम मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने आज पंजाब बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड की योजनाओं और प्रक्रियाओं पर आधारित एक विशेष हैंडबुक जारी की। यह पहल निर्माण श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी देरी के और पारदर्शी तरीके से पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है।

हैंडबुक जारी करते हुए श्रम मंत्री ने कहा कि प्रक्रियाओं का सरलीकरण और अनावश्यक दस्तावेजों की कटौती निर्माण श्रमिकों के जीवन स्तर को सुधारने में मील का पत्थर साबित होगी। कार्यक्रम के दौरान आयोजित जागरूकता सत्र में नए लेबर कोड्स, क्षेत्रीय चुनौतियों और लाभार्थियों तक पहुंच बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारी सम्मानित समारोह के दौरान कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने वाले जिलों के उपायुक्तों (DC), सहायक श्रम आयुक्तों और श्रम निरीक्षकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। सचिव श्रम मनवेश सिंह सिद्धू ने बताया कि विभाग अब 'श्रमिक-हितैषी' दृष्टिकोण अपनाते हुए सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित कर रहा है।

इस अवसर पर श्रम आयुक्त राजीव गुप्ता और पंजाब विकास आयोग की टीम को हैंडबुक तैयार करने और प्रक्रियात्मक बाधाओं को दूर करने के लिए विशेष रूप से सराहा गया। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के एडीसी, श्रम निरीक्षक और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

खेतों के बीच झुका बिजली का खंभा दे रहा हादसे को न्योता, पावरकॉम विभाग बेखबर

डेराबस्सी, यूटर्न, 20 जनवरी। डेराबस्सी से बेहड़ा रोड पर खेतों के बीच खड़ा एक बिजली का खंभा लंबे समय से खतरनाक हालत में झुका हुआ है। यह कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है, लेकिन इसके बावजूद पावरकॉम विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय किसानों और ग्रामीणों में इसको लेकर भारी रोष है।

> "हम कई बार पावरकॉम अधिकारियों को शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। अगर कोई हादसा हुआ तो इसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी।
> — स्थानीय किसान

स्थानीय किसानों के अनुसार यह बिजली का खंभा खेतों के बिल्कुल बीचों-बीच स्थित है और काफी हद तक एक ओर झुक चुका है। खंभे से गुजर रही हाई वोल्टेज तारें भी नीचे की ओर आ गई हैं, जिससे खेतों में ट्रैक्टर चलाने, फसल की कटाई और अन्य कृषि कार्यों के दौरान हर समय जान का खतरा बना रहता है। किसानों का कहना है कि बरसात या तेज हवा के दौरान यह खंभा गिर सकता है, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका और बढ़ जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर वे कई बार पावरकॉम विभाग के अधिकारियों को शिकायत दे चुके हैं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला है। मौके पर न तो किसी अधिकारी ने निरीक्षण किया और न ही खंभे को सीधा करने या बदलने की कोई कार्रवाई की गई। लोगों का कहना है कि ऐसा प्रतीत होता है मानो विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा हो। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते इस खंभे को ठीक नहीं किया गया तो किसी दिन जान-माल का भारी नुकसान हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी। किसानों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पावरकॉम के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस झुके हुए बिजली के खंभे को तुरंत सीधा किया जाए या नया खंभा लगाया जाए, ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके।

नगर निगम चुनाव से पहले बदलेगा सियासी नक्शा, सात वार्ड आरक्षण की जद में मौजूदा पार्षदों की बढ़ी बेचैनी

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। नगर निगम चुनाव से पहले वार्ड आरक्षण ने चंडीगढ़ की सियासत में हलचल तेज कर दी है। वार्डबंदी के बाद प्रशासन ने सात ऐसे वार्डों को आरक्षण के लिए चिन्हित किया है, जहां फिलहाल जनरल कैटेगरी के पार्षद प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इन वार्डों के आरक्षित होने से मौजूदा पार्षदों के सामने राजनीतिक भविष्य को लेकर नई चुनौती खड़ी हो गई है। प्रशासन ने वर्ष 2011 की जनगणना को आधार बनाते हुए वार्ड नंबर 1, 3, 4, 9, 15, 29 और 32 को आरक्षित वर्ग के लिए शॉर्टलिस्ट किया है। इनमें से तीन वार्ड महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगे, जिनका फैसला ड्रॉ प्रक्रिया से किया जाएगा। चुनाव आयोग की मंजूरी के बाद अप्रैल में आरक्षण ड्रॉ की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है।

इन पार्षदों पर पड़ेगा सीधा असर... आरक्षण के चलते इन वार्डों से मौजूदा पार्षद दोबारा चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। वार्ड नंबर-1 से आम आदमी पार्टी की जसविंदर कौर, वार्ड नंबर-3 से भाजपा के दलीप शर्मा, वार्ड नंबर-4 से सुमन शर्मा (जो आप से चुनाव जीतकर भाजपा में शामिल हुईं), वार्ड नंबर-9 से भाजपा की बिमला दूबे, वार्ड नंबर-15 से आप के रामचंद्र यादव, वार्ड नंबर-29 से आप के मनौर और वार्ड नंबर-32 से भाजपा के जसमनप्रीत सिंह के लिए यह फैसला झटके से कम नहीं है। इन सभी नेताओं को अब या तो किसी दूसरे वार्ड से राजनीतिक जमीन तलाशनी होगी या पार्टी संगठन में नई भूमिका खोजनी पड़ेगी। खास तौर पर दलीप शर्मा, जो लगातार दो बार पार्षद रह चुके हैं, और बिमला दूबे, जिनका राजनीतिक जुड़ाव भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल दूबे से है, उनके लिए यह बदलाव अहम माना जा रहा है।

महिला आरक्षण से भी बदलेगी रणनीति... सात आरक्षित वार्डों के अलावा शेष 28 वार्डों में से 9 वार्ड जनरल कैटेगरी की महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित किए जाएंगे। इनका चयन भी ड्रॉ के माध्यम से होगा। इस तरह कुल 12 वार्डों में महिला उम्मीदवार चुनाव मैदान में होंगी—9 जनरल महिला और 3 आरक्षित वर्ग की महिला के लिए।

पिछली चुनावी तस्वीर से अलग होगा समीकरण... 2021 के नगर निगम चुनाव में जिन सात वार्डों को आरक्षित किया गया था, इस बार उन्हें बाहर रखते हुए नए वार्डों को आरक्षण की सूची में शामिल किया गया है। इससे साफ है कि प्रशासन इस बार रोटेशन नीति को सख्ती से लागू कर रहा है, ताकि एक ही इलाके में बार-बार आरक्षण न हो।

किन इलाकों पर पड़ेगा असर... आरक्षण की जद में आए वार्डों में कैंबवाला, खुड्डा गांव, मनीमाजरा, इंडस्ट्रियल एरिया, सारंगपुर, धनास, पलसौरा, सेक्टर-44 और 51 जैसे इलाके शामिल हैं, जहां बड़ी आबादी और सक्रिय वोट बैंक मौजूद है। इन क्षेत्रों में नए चेहरों को मौका मिलने की संभावना बढ़ गई है।

Uturn Time 21 Jan 2026_Layout 2 20-01-2026 11:21 Page 6

Happy Birthday

Erya Jain

माता चिंतपूर्णी के दर्शन के लिए 151वीं बस यात्रा रवाना

शिव कौड़ा

फगवाड़ा, यूटर्न, 20 जनवरी। माता चिंतपूर्णी जी के दर्शन के लिए 151वीं बस यात्रा चिंतपूर्णी सेवा कमेटी की तरफ से कमेटी प्रेसिडेंट रमन कौड़ा की लीडरशिप में रवाना की गई, जिसे यूसीपीएमए के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट जसविंदर सिंह ठुकराल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यूसीपीएमए के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट जसविंदर सिंह ठुकराल ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बस को रवाना करने से पहले मोहन लाल अरोड़ा ने कन्या पूजन किया। कमेटी प्रेसिडेंट रमन कौड़ा ने कहा कि महामाई चिंतपूर्णी के आशीर्वाद और महामाई के भक्तों के सपोर्ट से पिछले साढ़े 12 सालों से हर महीने माता चिंतपूर्णी के दर्शन के लिए बस जा रही है और यह यात्रा आगे भी जारी रहेगी। इस मौके पर जगबीर सिंह सोखी ने कहा कि माता चिंतपूर्णी कमेटी की तरफ से लंबे समय से किया जा रहा यह प्रयास काबिले तारीफ है। रास्ते में मोहन लाल और सतपाल सती ने महामाई का गुणगान करके भक्तों को आनंदित किया। इस मौके पर बाबा बालक नाथ मंदिर के अध्यक्ष उमेश कुमार, शीशपाल गोयल, रजनीश कौड़ा,नंद किशोर उप्पल, सुरिंदर कुमार गुलाटी, विनोद कुमार गुलाटी, विपन कुमार चोपड़ा, सुनील सोनी, एडवोकेट मनीष स्कोडा, प्रदीप धवन निर्मला देवी, प्रभाकर देवा मिंटू जिंदल, रोहित कौड़ाऔर अन्य भक्तों ने महामाई चिंतपूर्णी के दर्शन किए।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Consumer Court का आदेश लागू न हो तो क्या करें?

Consumer Court से फैसला मिलना कई लोगों के लिए बड़ी राहत होती है, लेकिन असली परेशानी तब शुरू होती है जब सामने वाली कंपनी या पक्ष उस आदेश का पालन ही नहीं करता। पैसे लौटाने का आदेश हो, मुआवजा देने का निर्देश हो या कोई सेवा देने की बात—कई बार आदेश कागजों तक ही सीमित रह जाता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि अब अगला कानूनी कदम क्या हो?

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि Consumer Court का आदेश केवल सलाह नहीं, बल्कि कानूनी रूप से बाध्यकारी (Binding) होता है। उसका पालन न करना कानून की अवहेलना मानी जाती है। अगर आदेश में तय समय-सीमा के भीतर भुगतान या कार्यवाही नहीं होती, तो उपभोक्ता को दोबारा केस करने की जरूरत नहीं होती, बल्कि Execution Petition दाखिल की जाती है।

Execution Petition उसी Consumer Court या उसके समकक्ष मंच पर दाखिल की जाती है, जिसने आदेश दिया था। इसमें यह बताया जाता है कि आदेश क्या था, कितनी अवधि बीत चुकी है और किस तरह उसका पालन नहीं किया गया। Court के पास अधिकार होता है कि वह आदेश लागू कराने के लिए सख़्त कदम उठाए।

कानून यह भी अनुमति देता है कि आदेश न मानने वाले पक्ष पर जुमार्ना, ब्याज या यहाँ तक कि दंडात्मक कार्यवाही की जाए। कई मामलों में Court संपत्ति कुर्क करने, बैंक खाते से वसूली या अन्य जरूरी निर्देश भी दे सकती है। इसका उद्देश्य यही है कि उपभोक्ता को वास्तविक राहत मिले, न कि केवल फैसले की कॉपी।

कई लोग यह सोचकर चुप बैठ जाते हैं कि 'अब क्या किया जाए', जबकि सही समय पर Execution दाखिल करना सबसे प्रभावी रास्ता होता है। आदेश मिलने के बाद निष्क्रिय रहना अपने ही अधिकार को कमजोर करना है।

निष्कर्ष : Consumer Court का आदेश तभी मायने रखता है, जब वह जमीन पर लागू हो। अगर आदेश का पालन नहीं हो रहा, तो Execution के जरिए उसे लागू कराना आपका कानूनी अधिकार है। कानून केवल फैसला नहीं देता, बल्कि उसके पालन की ताकत भी देता है—जरूरत है उसे सही समय पर इस्तेमाल करने की।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का बढ़ता दुरुपयोग यानि अब धार्मिक तौर पर भी एक गंभीर चेतावनी।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) मानव जीवन को सरल और उन्नत बनाने का एक सशक्तमाध्यम बन चुकी है, परंतु इसके साथ-साथ इसका दुरुपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। पहले अकका उपयोग आम इंसान की तस्वीरों और वीडियो के साथ छेड़छाड़ कर उनके चरित्र पर हमला करने तक सीमित था। फर्जी वीडियो, डीप फेक और झूठे चित्रों के माध्यम से लोगों की सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाया जा रहा था। अब स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है। अकका इस्तेमाल धार्मिक स्थलों, देवी-देवताओं और आस्था से जुड़ी छवियों को बदलने में किया जा रहा है। इन बदली हुई तस्वीरों और वीडियो के सहारे झूठी अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जिससे आम आदमी की धार्मिक भावनाओं के साथ खुला खिलवाड़ हो रहा है। इसका परिणामसमाज में तनाव, अविश्वास और वैमनस्य के रूप में सामने आ रहा है। यदि अकके इस दुरुपयोग को समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया, तो इसके परिणाम अत्यंत भयावह हो सकते हैं। नैतिकता और संवेदनशीलता के अभाव में यह तकनीक दुनिया को चरित्रहीन, मानवताहीन और हृदयहीन बना सकती है। इसलिए आवश्यक है कि सरकार, तकनीकी संस्थान और समाज मिलकर अकके उपयोग के लिए सख्त नियम, जागरूकता और जिम्मेदारी सुनिश्चित करें, ताकि यह मानवता के हित में कार्य करे, न कि उसके विनाश का कारण बने।

लोक संपर्क विभाग द्वारा चतुर्थ वार्षिक धार्मिक समागम आयोजित; कैबिनेट मंत्रियों ने टेका मत्था

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। पंजाब के सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा आज पंजाब सिविल सचिवालय-1 स्थित गुरुद्वारा साहिब में चौथा वार्षिक धार्मिक समागम श्रद्धापूर्वक आयोजित किया गया। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व और नए साल के आगमन को समर्पित इस कार्यक्रम में पंजाब के कई कैबिनेट मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने शिरकत की।

रसमयी कीर्तन और सरबत के भले की अरदास

समागम की शुरूआत श्री सुखमनी साहिब के पाठ से हुई, जिसके पश्चात श्री दरबार साहिब के हजूरी रागी भाई सरूप सिंह के जत्थे ने रसमयी कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल किया। इस अवसर पर देश और प्रदेश की सुख-शांति तथा 'सरबत के भले' के लिए अरदास की गई।

दिग्गज हस्तियों की उपस्थिति

धार्मिक समागम में कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा, अमन अरोड़ा, गुरमीत सिंह खुड्डियां और हरदीप सिंह मुंडियां विशेष रूप से शामिल हुए। उनके साथ सचिव लोक संपर्क श्री रामवीर, डायरेक्टर डॉ. अक्षिता गुप्ता, मुख्यमंत्री के ओएसडी (मीडिया) अमनजोत सिंह सहित सचिवालय के विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पंजाब के राज्यपाल को भेंट किया बगलामुखी धाम में आयोजित होने वाले 243 घंटे के आखंड यज्ञ का निमंत्रण

मेरा अहोभाग्य मां बगलमुखी ने खुद भेजा मुझे निमंत्रण : गुलाब चंद कटारिया

राज्यपाल पंजाब को निमंत्रण देते धाम सेवक अधिवक्ता इकबाल सिंह, अजय जैन व राकेश खेड़ा

लुधियाना, यूटर्न, 20 जनवरी। मां बगलामुखी धाम के सेवादारो ने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को निमंत्रण पत्र भेंट कर स्थानीय पखोवाल रोड स्थित धाम परिसर में 11 से 21 फरवरी तक आयोजित होने वाले 243 घंटे के आखंड यज्ञ में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

धाम सेवक अधिवक्ता इकबाल सिंह अजय जैन व राकेश खेड़ा ने चंडीगढ़ स्थित राजभवन पंहुचकर राज्यपाल को निमंत्रण पत्र भेंट किया। राज्यपाल ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए यज्ञ में शामिल होने का भरोसा दिलाया। गुलाब चंद कटारिया ने हर वर्ष महंत प्रवीण चौधरी जी के सान्धिय में आयोजित होने वाले मां बगलामुखी के आखंड यज्ञ की महिमा का वर्णन करते हुए कहा जगत जननी मां बगलामुखी ने मुझे खुद निमंत्रण भेज कर अपने दर्शनो के लिए बुलाया है। मां बगलामुखी के यज्ञ में आहुतियां डालने का मिला सुअवसर मेरे परिवार के लिए सौभाग्यशाली होने का प्रतीक है। उन्होने कहा वह मां बगलामुखी के यज्ञ में आहुतियां डालकर पंजाब के नशा मुक्त करने की प्रार्थना करेंगे। धाम सेवक अधिवक्ता इकबाल सिंह अजय जैन व राकेश खेड़ा ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया का आभार व्यक्त किया।

Uturn Time 21 Jan 2026_Layout 2 20-01-2026 11:21 Page 7

स्कूटर तक खड़ा करने की जगह नहीं, बना डाली तीन मंजिला दुकान

जीरकपुर, यूटर्न, 20 जनवरी। जीरकपुर के बलटाना क्षेत्र में स्थित अमृत विहार, फर्नीचर मार्केट में नगर परिषद के नियमों और स्वीकृत नक्शों की खुलेआम अवहेलना करते हुए बड़े स्तर पर अवैध निर्माण किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित दुकान का केवल ढाई मंजिल का नक्शा स्वीकृत है, जबकि मौके पर तीन मंजिला इमारत का निर्माण कर दिया गया है, जो कि सीधे तौर पर बिल्डिंग नियमों का उल्लंघन है। सबसे गंभीर और चिंताजनक पहलू यह है कि उक्त इमारत के सामने पार्किंग के लिए न्यूनतम आवश्यक स्थान भी नहीं छोड़ा गया। हालात यह हैं कि वहां स्कूटर तक खड़ा करने की जगह उपलब्ध नहीं है, जिससे बाजार में आने वाले ग्राहकों, दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। संकरी जगह के कारण आए दिन जाम की स्थिति बन सकती है, वहीं आपातकालीन सेवाओं के

लिए भी रास्ता अवरुद्ध रहता है, जो किसी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे सकता है। नगर परिषद और संबंधित विभागों के अधिकारी समय-समय पर यह दावा करते रहे हैं कि

> "आप हमें मौके की तस्वीर भेज दीजिए उसके पश्चात हमारे विभाग की तरफ से मौके का मुआइना किया जाएगा और नियमों के अनुसार बनती कार्रवाई की जाएगी।
>
> पुनीत सिंगला
> डीएम नगर परिषद जीरकपुर

अवैध निर्माण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमों के विरुद्ध निर्माण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बावजूद इसके, जमीनी हकीकत यह है कि अवैध निर्माण करने वाले बिल्डर प्रशासनिक आदेशों की खुली अवहेलना करते हुए बेखौफ निर्माण कार्य पूरा कर चुके हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण के दौरान कई बार संबंधित विभागों को शिकायतें दी गईं और नोटिस भी जारी किए गए, लेकिन इन नोटिसों का आगे क्या हुआ, इसका कोई स्पष्ट जवाब आज तक नहीं मिल पाया। लोगों का कहना है कि नोटिस जारी करने के बाद कार्रवाई फाइलों तक ही सीमित रह जाती है, जबकि मौके पर निर्माण जस का तस खड़ा है। इस पूरे मामले ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो इससे न केवल ट्रैफिक और सुरक्षा संबंधी समस्याएं बढ़ेंगी, बल्कि अन्य बिल्डरों को भी नियम तोड़ने का खुला संदेश जाएगा।

देखना यह होगा कि क्या नगर परिषद और जिला प्रशासन इस मामले में ठोस कार्रवाई करते हैं, या फिर नियमों की अनदेखी यूं ही जारी रहेगी ?

डेराबस्सी में तेज रफ्तार टिपर की चपेट में आईं दो महिला वकील

बिना नंबर प्लेट वाले टिपर से हादसा, बार एसोसिएशन ने जताया रोष

डेराबस्सी, यूटर्न, 20 जनवरी। डेराबस्सी के तहसील रोड पर सोमवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बिना नंबर प्लेट वाले मिट्टी ढोने वाले एक टिपर ने पैदल जा रहीं दो महिला नोटरी वकीलों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों वकील घायल हो गईं, जिन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के अनुसार वकील मैडम प्रतिभा और मैडम बबीता अदालत परिसर की ओर पैदल जा रही थीं। इसी दौरान जाम में फंसे टिपर चालक ने लापरवाही से वाहन आगे बढ़ा दिया, जिससे दोनों वकील उसकी चपेट में आ गईं। गनीमत रही कि आगे अचानक एक मोटरसाइकिल आ जाने से टिपर रुक गया, जिससे बड़ा जान-माल का नुकसान टल गया।

घटना के बाद वकीलों में भारी रोष देखने को मिला। बार एसोसिएशन के प्रधान विक्रमजीत सिंह दप्पर की अगुवाई में वकीलों ने प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया और दिन के समय शहर में टिपरों की एंट्री पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग की।

वकीलों का कहना है कि भारी वाहनों की आवाजाही से आम लोगों की जान को लगातार खतरा बना हुआ है।

मामले को लेकर एसडीएम अमित गुप्ता ने वकीलों को भरोसा दिलाया कि जल्द ही संबंधित विभागों के साथ बैठक कर दिन के समय टिपरों की आवाजाही पर रोक लगाई जाएगी। साथ ही बिना नंबर प्लेट और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

गांव सुंडरा की पंचायत भूमि पर खड़े झुंड में शरारती तत्वों ने लगाई आग

डेराबस्सी, यूटर्न, 20 जनवरी। गांव सुंडरा की पंचायत भूमि पर खड़े झुंड (झाड़ियों/घास के ढेर) में अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा आग लगाए जाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही गांव की पंचायत और आईटीबीपी रामगढ़ के जवान मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। समय रहते कार्रवाई होने से आग को फैलने से रोक लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। पंचायत सदस्यों ने बताया कि पंचायत की जमीन पर लगे झुंड की जल्द ही बोली होनी थी। इससे पहले भी पिछले साल इसी जमीन पर झुंड की बोली के बाद किसी शरारती तत्व द्वारा आग लगा दी गई थी, जिससे पंचायत को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। इस बार भी बोली से ठीक पहले आग लगने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हर बार बोली के समय इस तरह की घटनाएं होना संदेह पैदा करता है और इसके पीछे किसी की साजिश हो सकती है। पंचायत ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए प्रशासन से दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। आईटीबीपी रामगढ़ के जवानों और पंचायत के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। पंचायत ने कहा कि यदि समय रहते आग न बुझाई जाती तो आग आसपास के क्षेत्रों में भी फैल सकती थी। फिलहाल मामले की सूचना संबंधित विभाग को दे दी गई है और जांच की मांग की जा रही है।

सड़क किनारे खड़ी कार को तेज रफ्तार वाहन ने मारी टक्कर, चालक फरार

डेराबस्सी, यूटर्न, 20 जनवरी। डेराबस्सी के बरवाला रोड पर बीती रात एक तेज रफ्तार कार चालक सड़क किनारे खड़ी कार को टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया। हादसे में खड़ी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं पास ही गेट और ग्रिल बनाने वाली दुकान के बाहर रखा सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरप्रीत ऑटो इलेक्ट्रिक दुकान के मालिक ने बताया कि किसी ग्राहक की कार मरम्मत के लिए उनकी दुकान पर आई हुई थी। रात को दुकान बंद करते समय उन्होंने कार को दुकान के बाहर खड़ा कर दिया था। जब वह सुबह करीब 4:55 बजे दुकान पर पहुंचे तो देखा कि कार बुरी तरह से टूटी हुई थी और साथ वाली दुकान का सामान सड़क पर बिखरा पड़ा था। हादसे के बाद मौके पर एक वाहन की नंबर प्लेट टूटी हुई हालत में पड़ी मिली, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि टक्कर मारने वाला वाहन उसी की है। आसपास के लोगों के अनुसार रात के समय एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारी और चालक बिना रुके फरार हो गया। घटना की सूचना दुकानदारों द्वारा पुलिस को दे दी गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और नंबर प्लेट के आधार पर फरार चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

दीवाली से अब तक चांदी में 50% से ज्यादा उछाल: ट्रंप की टैरिफ धमकियों और भू-राजनीतिक तनाव से 3.20 लाख तक पहुंचे दाम

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। दीवाली के बाद से चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। इस दौरान चांदी 50 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ चुकी है और 20 जनवरी को एक दिन में 24 हजार तक बढ़ते हुए अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। वैश्विक तनाव बढ़ने और सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से यह तेजी आई है। चांदी में आई इस उछाल का असर सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (एळत्र) पर भी पड़ा है, जो रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। हालांकि, जानकार मौजूदा स्तरों पर नए निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं।

मार्च एक्सपायरी वाली चांदी वायदा कीमतें करीब 6 प्रतिशत बढ़कर 3,20,000 रुपये प्रति किलो के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गईं। दीवाली के समय की तुलना में यह तेज बढ़त है। वहीं, मई और जुलाई एक्सपायरी वाले कॉन्ट्रैक्ट क्रमशः 6 प्रतिशत और 7 प्रतिशत उछलकर 3,36,940 रुपये और 3,49,066 रुपये प्रति किलो के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। इस तेजी की बड़ी वजह अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ता तनाव है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर दबाव बनाने के बीच आठ यूरोपीय देशों पर नए टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। अमेरिका ने 1 फरवरी से 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही है, जो 1 जून से बढ़कर 25 प्रतिशत हो सकता है। ट्रंप ने सैन्य कार्रवाई की संभावना से भी इनकार नहीं किया, जिसके बाद यूरोपीय देशों की ओर से कड़ा विरोध और जवाबी कदमों की आशंका बढ़ गई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप की आक्रामक वैश्विक नीति और कम ब्याज दरों की उनकी सोच सोने और चांदी जैसे कीमती धातुओं के लिए फायदेमंद साबित हो रही है।

सिल्वर ETF में भी जोरदार तेजी

चांदी की कीमतों में आई तेजी का असर सिल्वर ETF पर साफ दिखा। Groww Silver ETF करीब 10 प्रतिशत उछलकर 317.53 रुपये के 52 हफ्तों के उच्च स्तर पर पहुंच गया। Tata Silver ETF में करीब 8 प्रतिशत की तेजी रही, जबकि Edelweiss, HDFC और SBI Silver ETF में 7 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल दर्ज किया गया। इसके अलावा Mirae Asset, ICICI Prudential और UTI Silver ETF करीब 6 प्रतिशत चढ़े। DSP, Axis, Zerodha, Motilal Oswal और Nippon Silver ETF (Silverbees) में 5 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त रही। Aditya Birla और Kotak Silver ETF में 4 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखी गई।

क्या इस समय सिल्वर ETF में निवेश सही है?

विशेषज्ञों के मुताबिक, चांदी की कीमतें सोने की तुलना में ज्यादा उतार-चढ़ाव वाली होती हैं। अक्सर तेज उछाल के बाद इसमें तेज गिरावट भी देखने को मिलती है। ऐसे में रिकॉर्ड ऊंचाई पर निवेश करने से अल्पकाल में नुकसान का खतरा हो सकता है। निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे एक साथ बड़ी रकम लगाने के बजाय डॉलर कॉस्ट एवरेजिंग अपनाएं, यानी थोड़ी-थोड़ी रकम समय के साथ निवेश करें। इससे जोखिम कम होता है। जिन निवेशकों ने पहले से चांदी में निवेश कर रखा है, उनके लिए यह समय आंशिक मुनाफा वसूलने का हो सकता है, खासकर अगर निवेश अल्पकाल के लिए किया गया था। हालांकि, जिन निवेशकों का नजरिया लंबी अवधि का है और जो औद्योगिक मांग और सीमित आपूर्ति जैसे कारणों पर भरोसा रखते हैं, वे अपनी मुख्य होल्डिंग बनाए रख सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्तर पर भारी नया निवेश करने से बेहतर है कि मुनाफा आंशिक रूप से बुक किया जाए, न कि पूरी तरह से बाहर निकला जाए। make this lead news
ChatGPT said: यह रहा आपके कंटेंट का लीड न्यूज स्टाइल में एडिट किया हुआ, प्रभावशाली व अखबार योग्य संस्करण — दीवाली से अब तक चांदी में 35% से ज्यादा उछाल, ट्रंप की टैरिफ धमकियों और वैश्विक तनाव से रिकॉर्ड पर दाम चंडीगढ़ : दीवाली के बाद से चांदी ने निवेशकों को चौंकाते हुए जबरदस्त रफ्तार पकड़ ली है।

पूर्व विधायक गुरदीप सिंह भैनी के निधन पर अफसोस करने उनके घर पहुंचे पूर्व मुख्य मंत्री चरणजीत सिंह चन्नी

राज बब्बर

जगराओं, यूटर्न, 20 जनवरी। जगराओं के पूर्व विधायक गुरदीप सिंह भैनी के अचानक निधन के बाद आज उनके घर उनके बेटे से मिलने पंजाब के पूर्व मुख्य मंत्री चरणजीत सिंह चन्नी गांव भैनी आराइयां पहुंचे। इस मौके उनके साथ पत्रकार सुखविंदर सिंह और जगराओं की कांग्रेसी लीडरशिप के कुछ सदस्य साथ रहे। इस मौके उन्होंने पूर्व विधायक गुरदीप सिंह भैनी जी के अचानक निधन पर उनके बेटे मेजर सिंह भैनी के गले लग कर अफसोस जताया और कहा कि भैनी परिवार से उनका पुराना रिश्ता है और इस दुख की घड़ी में अपनी पार्टी की तरफ से उनके साथ चट्टान के जैसे खड़े हैं।

इसी के साथ उन्होंने बीते कल जगराओं नगर कौंसिल में चुने गए सीनियर मीत प्रधान और मीत प्रधान की नियुक्ति को आम आदमी पार्टी की धक्केशाही बताया ओर कहा कि इस बारे में वो पूर्व नगर कौंसिल प्रधान से मिलकर इस धाकेशाही के खिलाफ आवाज उठाएंगे। इस मौके जहां उन्होंने आने वाले 2027 के विधान सभा चुनावों के लिए अपने खासमखास पत्रकार सुखविंदर सिंह को थापडा भी दिया और कहा कि जगराओं से आप विधान सभा चुनावों के लिए अपनी तैयारी रखो। इस मौके पर उनके साथ काउंसलर रविंदरपाल राजू, जरनैल सिंह लोहट, आजाद स्वदी, राहुल मल्होत्रा, सुरेश गर्ग और कपिल बांसल हाजिर थे।

इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर से संकट में घरेलू टेक्सटाइल उद्योग, NITMA ने केंद्र से मांगा हस्तक्षेप

लुधियाना, यूटर्न, 20 जनवरी। नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (NITMA) ने घरेलू मैन्युफैक्चरर्स को नुकसान पहुंचा रहे इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को लेकर वस्त्र मंत्रालय और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि ASEAN-India Trade in Goods Agreement (AITIGA) की समीक्षा अंतिम चरण में है और यदि इस खामी को अभी नहीं सुधारा गया तो भारतीय उत्पादन को भारी झटका लगेगा। NITMA के अनुसार वर्तमान व्यवस्था में कच्चे माल पर ज्यादा टैक्स है, जबकि तैयार माल शून्य ड्यूटी पर आयात हो रहा है।

उदाहरण के तौर पर पॉलीएस्टर स्टेपल फाइबर पर 5.5% बेसिक कस्टम ड्यूटी लगती है, जबकि पॉलीएस्टर स्पन यार्न अरएअठ देशों से जीरो ड्यूटी पर आ रहा है। इससे विदेशी उत्पाद सस्ते पड़ते हैं और भारतीय मिलें प्रतिस्पर्धा में पिछड़ रही हैं। आंकड़ों के मुताबिक 2010-11 में जहां PSY आयात 8.4 मिलियन किलो था, वह 2022-23 में बढ़कर 82.7 मिलियन किलो हो गया। NITMA ने टैरिफ पैरिटी की मांग करते हुए कहा कि ढरत्र और ढर दोनों को समान श्रेणी में रखा जाए।

एसोसिएशन का मानना है कि सही नीति से 150 से अधिक सक्रिय इकाइयों के साथ 500 बंद पड़ी यूनिट्स दोबारा चल सकती हैं और लाखों रोजगार सुरक्षित होंगे।

नगर परिषद कार्यालय की दीवारों पर लगे बोतलनुमा गमले बदहाल, लापरवाही पर उठे सवाल

जीरकपुर, यूटर्न, 20 जनवरी। जीरकपुर में फरवरी 2023 के दौरान समाजसेवी संस्था पुकार की ओर से नगर परिषद कार्यालय की दीवारों पर प्लास्टिक की बोतलों से तैयार आकर्षक गमले लगाए गए थे।

इन बोतलों को काटकर सुंदर रंगों से पेंट किया गया था और करीब 30 से 35 गमलों में पौधे लगाकर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया था। उस समय नगर परिषद अधिकारियों ने इन पौधों की नियमित देखरेख और पानी देने की जिम्मेदारी नगर परिषद के माली को सौंपने का आश्वासन भी दिया था।

हालांकि शुरूआत के करीब दो महीने तक इन पौधों की सही ढंग से देखभाल की गई, लेकिन इसके बाद लापरवाही के चलते पौधे धीरे-धीरे सूख गए। देखरेख न होने के कारण गमलों की मिट्टी पत्थर जैसी सख्त हो गई। वर्तमान स्थिति यह है कि इन बोतलनुमा गमलों में पौधों की जगह कूड़ा नजर आने लगा है और लोग इन्हें डस्टबिन की तरह इस्तेमाल करने लगे हैं। इससे कभी स्वच्छता और सुंदरता का प्रतीक रहे ये गमले अब बदसूरती का कारण बन गए हैं।

उल्लेखनीय है कि कुछ महीने पहले लोकल बॉडीज विधानसभा कमेटी की बैठक नगर परिषद कार्यालय में आयोजित हुई थी, जिसमें पंजाब के कई मंत्री और विधायक शामिल हुए थे। इस बैठक से पहले नगर परिषद अधिकारियों ने आनन-फानन में सभी गमलों में नए पौधे लगाकर उन्हें फिर से हरा-भरा कर दिया था। लेकिन बैठक समाप्त होते ही एक बार फिर लापरवाही बरती गई और अधिकांश पौधे दोबारा सूख चुके हैं, जिनकी ओर अब तक कोई ध्यान नहीं दिया गया।

बताया जा रहा है कि नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी परविंदर सिंह भट्टी की गाड़ी रोजाना इसी स्थान पर आकर रुकती है, इसके बावजूद गमलों की बदहाली पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। यह स्थिति नगर परिषद की कार्यप्रणाली और स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीरता पर सवाल खड़े करती है।

Uturn Time 21 Jan 2026_Layout 2 20-01-2026 11:22 Page 9

भाजपा को नया नेतृत्वः नितिन नबीन के हाथों में कमान, संगठन को नई दिशा देने की तैयारी

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल गया है। नितिन नबीन ने औपचारिक रूप से पार्टी की कमान संभाल ली है। उनके अध्यक्ष बनने को भाजपा में पीढ़ीगत बदलाव और युवा नेतृत्व को आगे लाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि नबीन का अनुभव और ऊर्जा आने वाले समय में संगठन को नई मजबूती देंगे।

नितिन नबीन चार-पांच बार विधायक रह चुके हैं और संगठन व विधानसभा दोनों स्तरों पर काम करने का लंबा अनुभव रखते हैं। पार्टी के भीतर उन्हें जमीन से जुड़ा, कार्यकताओं की नब्ज पहचानने वाला नेता माना जाता है। उनके नेतृत्व में भाजपा युवाओं, विशेषकर Gen Z, से जुड़ने की रणनीति को और तेज करने जा रही है।

पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील जाखड़ ने नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते

हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं, वही करके दिखाते हैं। नितिन नबीन भी उसी कार्यशैली से प्रेरित नेता हैं और युवाओं के ज्यादा करीब हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नए नेतृत्व से बड़ी संख्या में युवा भाजपा से जुड़ेंगे।

भाजपा नेता बिक्रम सिंह सिद्धु ने कहा कि नबीन एक अनुभवी नेता हैं, जिन्होंने संगठन और सरकार दोनों में काम किया है, जिससे पार्टी की चुनावी रणनीतियों को मजबूती मिलेगी। वहीं हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पीकर गियान चंद गुप्ता ने कहा कि नितिन नबीन के पास

विधायी और संगठनात्मक दोनों तरह का अनुभव है, जो भाजपा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

पदभार संभालने के बाद नितिन नबीन ने कहा कि भाजपा की विचारधारा को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, उनका नेतृत्व अनुभव और युवापन का संतुलन है, जो भविष्य की राजनीति में भाजपा को नई दिशा देगा।

पंजाब में गैंगस्टरों के खिलाफ 'जंग-ए-एलान', हरजोत बैंस ने 'ऑपरेशन प्रहार' को बताया निर्णायक मोड़

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। पंजाब से गैंगस्टरवाद को जड़ से खत्म करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में शुरू हुए 'ऑपरेशन प्रहार' की कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने पुरजोर सराहना की है। उन्होंने इसे शांति के दुश्मनों के खिलाफ राज्य की अब तक की सबसे बड़ी और निर्णायक जंग करार दिया है।

नागरिकों से साथ देने की भावुक अपील

हरजोत बैंस ने पंजाब के नागरिकों से इस मिशन में पुलिस का साथ देने का आह्वान करते हुए कहा, ₹हम अपनी पुलिस के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। जब तक राज्य से एक-एक अपराधी का सफाया नहीं हो जाता, पंजाब सरकार चैन से नहीं बैठेगी।

१,000 टीमें और ११,000 जवान मैदान में

शिक्षा मंत्री बैंस ने बताया कि यह कोई सामान्य पुलिस कार्रवाई नहीं है। इस ऑपरेशन के लिए पंजाब पुलिस ने 2,000 विशेष टीमें गठित की हैं, जिनमें 12,000 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हैं। यह बल 72 घंटों तक चलने वाले इस महा-अभियान के तहत राज्य के कोने-कोने में समाज-विरोधी तत्वों पर 'प्रहार' कर रहा है।

72 घंटे का महा-ऑपरेशन, ३८ खुद रख रहे नज़र

बैंस ने कहा कि अमृतसर और फतेहगढ़ साहिब में हुए पुलिस मुकाबले इस बात का सबूत हैं कि सरकार और पुलिस के इरादे कितने फौलादी हैं। उन्होंने खुलासा किया कि मुख्यमंत्री मान व्यक्तिगत रूप से इस ऑपरेशन की हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं ताकि पंजाब की अस्थिरता फैलाने वाली हर साजिश को नाकाम किया जा सके।

> "यह शांति और कानून के दुश्मनों के खिलाफ जंग का ऐलान है, हम अपनी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करके रहेंगे।
> — हरजोत सिंह बैंस, कैबिनेट मंत्री

भभात रोड स्थित बिना बोर्ड वाले होटल में देह व्यापार का भंडाफोड़, महिला समेत कई लोगों पर मामला दर्ज

जीरकपुर, यूटर्न, 20 जनवरी। जीरकपुर के भभात रोड पर स्थित एक बिना नाम वाले होटल में देह व्यापार चलाए जाने का मामला सामने आया है। थाना जीरकपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए होटल चलाने वाली महिला और होटल मालिक के खिलाफ इमोरल ट्रैफिकिंग प्रिवेंशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस को दी गई सूचना के अनुसार निरीक्षक नरेंद्र कुमार अपनी टीम के साथ गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग पर थे। इसी दौरान उन्हें एक मुखबिर ने सूचना दी कि भभात रोड पर स्थित एक होटल, जिस पर किसी प्रकार का नाम या बोर्ड नहीं लगा है, वहां सिमरन नाम की महिला किराये पर होटल लेकर बाहरी राज्यों की भोली-भाली युवतियों को पैसों का लालच देकर देह व्यापार करवा रही है। आरोप है कि होटल में ग्राहकों से मोटी रकम वसूली जाती थी और युवतियों को सप्लाई किया जाता था। मुखबिर ने यह भी बताया कि उक्त महिला ने आज भी अलग-अलग राज्यों की युवतियों को होटल में बुलाया हुआ है और यदि तुरंत रेड की जाए तो महिला, युवतियों और ग्राहकों को मौके पर काबू किया जा सकता है।

एमडीयू कुलपति प्रो.राजबीर सिंह ने क्रिकेटर अदिति श्योराण को स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा

रोहतक-चंडीगढ़, यूटर्न, 19 जनवरी। यूटी क्रिकेट एसोसिएशन चंडीगढ़ की युवा क्रिकेटर अदिति श्योराण को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक की ओर से खेल क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया है। एमडीयू खेल विभाग की ओर से यह प्रतिष्ठित सम्मान नार्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में दिया गया। इस मौके पर एमडीयू कुलपति प्रो.राजबीर सिंह ने अदिति श्योराण को सम्मानित करते हुए कहा कि हरियाणा की इस बेटी ने अपनी प्रतिभा ही नहीं, जज्बे से बहुत ही कम उम्र में कई उपलब्धियां हासिल कर राज्य की अनेक बेटियों के लिए मिसाल पेश की है। प्रो.राजबीर ने कहा कि एमडीयू बेटी बचाओ ..बेटी पढ़ाई के साथ अब बेटी खिलाओ की थीम पर काम कर रहा है।

कलगीधर मार्केट की पार्किंग से एक्टिवा चोरी, भीड़भाड़ वाले इलाके में वारदात से सुरक्षा पर सवाल

जीरकपुर, यूटर्न, 20 जनवरी। जीरकपुर के बलटाना स्थित कलगीधर मार्केट की पार्किंग से एक एक्टिवा चोरी होने का मामला सामने आया है। यह घटना शाम करीब सात बजे की बताई जा रही है, जब बाजार में काफी चहल-पहल रहती है। व्यस्त इलाके में हुई इस चोरी की घटना से लोगों में दहशत और रोष है। आनंद विहार निवासी हिमांशु सिंह ने बताया कि उनकी बेटी रोजाना की तरह जिम करने के लिए कलगीधर मार्केट गई थी। उसने अपनी एक्टिवा मार्केट की पार्किंग में खड़ी की थी। करीब एक घंटे बाद जब वह वापस लौटी तो वाहन वहां से गायब मिला। युवती ने आसपास काफी देर तक तलाश की और लोगों से पूछताछ भी की, लेकिन एक्टिवा का कोई सुराग नहीं लग सका।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी। पीड़ित परिवार का कहना है कि भीड़-भाड़ वाले इलाके से इस तरह दिनदहाड़े वाहन चोरी होना स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस के अनुसार अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अपने वाहनों को लॉक कर सुरक्षित स्थान पर खड़ा करें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

Uturn Time 21 Jan 2026_Layout 2 20-01-2026 11:22 Page 10

बिहारी कॉलोनी में लगा विशाल कैंसर व नेत्र जांच शिविर, 529 लोगों ने उठाया मुफ्त सुविधाओं का लाभ

लुधियाना, यूटर्न 20 जनवरी। 'स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है' इसी संदेश के साथ नोबल फाउंडेशन ने शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। आज संस्था की बिहारी कॉलोनी स्थित ब्रांच में एस.बी.आई कार्ड, वर्ल्ड कैंसर केयर चैरिटेबल सोसायटी और नोबल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल नि:शुल्क कैंसर और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि ने किया दीप प्रज्वलित

शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि मनोज कुमार (IRS, एडिशनल डायरेक्टर जनरल DGGI, लुधियाना) ने दीप प्रज्वलित कर किया। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रवीण चड्ढा, मंजू ओसवाल, आरती जैन, सरदार बलविंदर सिंह पम्पल और विक्रम व्यास उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय मैनी (टऊ, हिंदुस्तान टायर्स लिमिटेड) द्वारा की गई।

विस्तृत जांच और मुफ्त दवाइयां

शिविर में वर्ल्ड कैंसर केयर के अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने कुल 529 मरीजों की जांच की।

कैंप के दौरान:

- महिलाओं और पुरुषों के लिए कैंसर (मुंह, रक्त, हड्डियों) के टेस्ट।
- महिलाओं के लिए स्तन और बच्चेदानी के कैंसर की विशेष जांच।
- आंखों और दांतों का चेकअप।
- शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच।
- जरूरतमंदों को मुफ्त दवाइयां और ऐनकें भी वितरित की गईं।

टीम का विशेष सहयोग

डॉ. धर्मेंद्र ढिल्लों (MD, कैंसर केयर सोसाइटी) के नेतृत्व में डॉ. जसप्रीत, डॉ. अभिषेक सहित डॉक्टरों की टीम और नोबल फाउंडेशन की अध्यापिकाओं ने शिविर को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग दिया। मंच का संचालन मीनाक्षी शर्मा ने किया। संस्था के फाउंडर राजेंद्र शर्मा ने वर्ल्ड कैंसर केयर टीम और आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्य जारी रखेगी।

अतिथियों ने सराहा आत्मविश्वास

मुख्य अतिथि श्री मनोज कुमार ने कहा, ₹संस्था के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास देखकर मन गदगद हो जाता है। बिगड़ते खान-पान के दौर में स्वास्थ्य के प्रति ऐसी जागरूकता समय की मांग है।₹ मंजू ओसवाल और विजय मैनी ने भी नोबल फाउंडेशन द्वारा शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं में निभाई जा रही भूमिका की सराहना की।

ट्रैफिक जाम और बिजली की तारों की समस्याओं से परेशान हैं लोग और दुकानदार

ट्रैफिक विभाग और नगर निगम सो रहा गहरी नींद

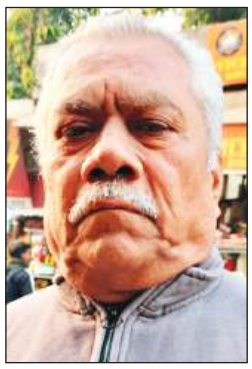

दिनेश मौदगिल

लुधियाना, यूटर्न, 20 जनवरी। शहर के प्रमुख बाजार चौड़ा बाजार के साथ लगते बाजारों प्रताप बाजार, मीना बाजार, माता रानी चौंक रोड़, घंटाघर चौक, पुरानी सब्जी मंडी आदि बाजारों में ट्रैफिक की समस्या मुख्य समस्या हैं। जहां अक्सर ट्रैफिक जाम लगते रहते और राहगीरों को इस कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है वहीं इन बाजारों में बिजली की तारों की भी मुख्य समस्या है। पंजाब प्रदेश व्यापार मंडल के सचिव आयूष अग्रवाल और व्यापारी नेता सुरिंदर अग्रवाल ने कहा कि कई बार तो भारी वाहनों के कारण बिजली की तारें टूटकर गिर जाती हैं। जो किसी दुर्घटना का कारण भी बन सकती हैं। इसके अलावा माता रानी चौंक से मीना बाजार जाने वाली सड़क और घंटाघर चौक वाली सड़कों पर ट्रैफिक प्रॉब्लम बहुत ज्यादा है। वहीं माता रानी चौंक में ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारी चलान काटने के लिए खड़े तो होते हैं, मगर पैवेलियन मॉल की और से माता रानी चौंक की तरफ आ रहे पुल पर से रॉन्ग साईड आने वालों पर प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। वहीं ई रिक्शे की बढ़ती संख्या ट्रैफिक समस्या का मुख्य कारण है। समाज सेवक पवन ठाकुर और कारोबारी संजीव पारस ने कहा कि किसी समय मीना बाजार चौंक और घंटाघर चौंक से बुक्स मार्किट चौंक वाली सड़कों पर वन वे होता था। मगर अब यह वन वे नहीं है और क्षेत्रों में भारी ट्रैफिक जाम देखने को मिलते हैं। प्रशासन को इस और तुरंत ध्यान देना चाहिए ताकि राहगीरों को ट्रैफिक समस्या से निजात मिल सके।

प्रताप बाजार, मीना बाजार चौंक में अक्सर रहता है ट्रैफिक जाम: प्रताप बाजार और इसके साथ की सड़क मीना बाजार चौंक में अक्सर ट्रैफिक जाम के नजारे देखने को मिलते हैं। भारी अतिक्रमण के चलते यहां भारी ट्रैफिक जाम देखने को मिलते हैं। क्षेत्रनिवासियों का कहना कि यहां ऐसे हालात रहते हैं कि अगर किसी इमरजेंसी के समय किसी को हॉस्पिटल के लिए निकलना पड़े तो ट्रैफिक के कारण उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। मगर अब ना तो ट्रैफिक पुलिस विभाग का इधर ध्यान है और ना ही नगर निगम का ध्यान है जबकि यह सड़कें नगर निगम ए जोन के बिल्कुल साथ लगती हैं। लोगों का कहना है कि लगता है कि नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस कुंभकर्णी नींद सो रहे हैं।

दामाद ने ससुर पर चाकू से हमला कर तोड़े दांत, पैसों व फ्लैट की मांग का आरोप

जीरकपुर, यूटर्न, 20 जनवरी। जीरकपुर में घरेलू विवाद के चलते दामाद द्वारा अपने ससुर पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में थाना जीरकपुर में डीडीआर दर्ज कर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस को दिए बयान में सुभाष चंद्र पुत्र दुला राम, निवासी गली नंबर 4, जैन नगरी, अबोहर (हाल निवासी फ्लैट नंबर 401, सूर्या टावर, वीआईपी रोड, जीरकपुर) ने बताया कि वह कृषि कार्य करता है और उसकी बेटी साहिमा गाबा की शादी चंदनदीप आनंद पुत्र सुरिंदर कुमार, निवासी बठिंडा से हुई है। आरोप है कि शादी के बाद से ही उसका दामाद उसकी बेटी के साथ मारपीट करता रहा है और लगातार पैसों की मांग करता है। पीड़ित के अनुसार अप्रैल महीने में आरोपी के माता-पिता पहले ही एक लाख रुपये ले जा चुके हैं और अब दामाद फ्लैट अपने नाम करवाने का दबाव बना रहा था।

पीड़ित ने बताया कि 10 जनवरी 2026 को वह अपनी बेटी के घर गया था। उसने दामाद को फोन किया, लेकिन फोन नहीं उठाया गया। कुछ देर बाद जब दामाद घर पहुंचा और फोन न उठाने का कारण पूछा गया तो वह गुस्से में आ गया और चाकू के पिछले हिस्से से उसके मुंह पर वार कर दिया, जिससे उसके दो दांत मौके पर ही टूट गए। इसके बाद पीड़ित ने 112 नंबर पर कॉल की। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल जाने की सलाह दी गई।

जी.एच.जी अकैडमी, कोठे बग्गू, जगराओं में ट्रैफिक नियमों पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन

लुधियाना, यूटर्न, 20 जनवरी। जी.एच.जी अकैडमी, कोठे बग्गू, जगराओं ने स्टूडेंट्स और बस ड्राइवरों को सड़क सुरक्षा और सड़कों पर ज़िम्मेदार व्यवहार के बारे में बताने के लिए एक ट्रैफिक नियम जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार का मकसद हेलमेट, सीट बेल्ट, ट्रैफिक सिग्नल, स्पीड लिमिट और सुरक्षित पैदल चलने के तरीकों के बारे में जागरूकता फैलाना था। लुधियाना के ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज ने सड़क दुर्घटनाओं के आम कारणों के बारे में बताया और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करने के महत्व पर जोर दिया। स्टूडेंट्स और बस ड्राइवरों ने इंटरैक्टिव सेशन में सवाल पूछकर और सड़क सुरक्षा पर अपने विचार शेयर करके सक्रिय रूप से भाग लिया।युवा नागरिकों में अनुशासन और सुरक्षित आने-जाने की आदतों को बढ़ावा देने के लिए पूरे भारत के स्कूलों में ऐसे जागरूकता प्रोग्राम रेगुलर रूप से आयोजित किए जाते हैं। ज़िम्मेदार ड्राइविंग और ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए स्टूडेंट्स और ड्राइवरों के लिए अक्सर सड़क-सुरक्षा कैंपेन और ट्रेनिंग सेशन आयोजित किए जाते हैं।इसी तरह, स्कूली स्टूडेंट्स को शामिल करने वाले जागरूकता इवेंट्स झ जैसे सड़क-सुरक्षा वॉक और कैंपेन झ में उत्साह से हिस्सा लिया गया है और बच्चों को सुरक्षित सड़क व्यवहार के बारे में जागरूक करने में मदद मिली है। जी.एच.जी अकैडमी में सेमिनार का समापन स्टूडेंट्स द्वारा ट्रैफिक नियमों का पालन करने और समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ लेने के साथ हुआ।

Uturn Time 21 Jan 2026_Layout 2 20-01-2026 11:22 Page 11

इंदिरा कॉलोनी में सिलेंडर ब्लास्ट, धमाके से ढह गई घर की छत और दीवारें

लुधियाना, यूटर्न, 20 जनवरी। लुधियाना के इंद्रा कॉलोनी इलाके में मंगलवार दोपहर एक घर में अचानक गैस सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका हुआ। धमाका इतना शक्तिशाली था कि कमरे की छत और दीवारें मलबे में तब्दील हो गईं। गनीमत यह रही कि इस भयानक हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ।

मौत के मुंह से सुरक्षित निकली मासूम

हादसे के समय घर में एक लड़की अकेली थी। बताया जा रहा है कि खाना बनाते समय अचानक गैस पाइप में आग लग गई, जो तेजी से सिलेंडर तक फैल गई। आग की लपटें देख लड़की तुरंत घर से बाहर की ओर भागी। उसके बाहर निकलते ही जोरदार धमाका हुआ और पूरा घर खंडहर बन गया।

इलाके में बम ब्लास्ट जैसा मंजर

धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि पूरी कॉलोनी में दहशत फैल गई। आसपास के घरों के लोग डर के मारे बाहर निकल आए, उन्हें अंदेशा हुआ कि कहीं कोई बम ब्लास्ट न हुआ हो। सूचना मिलते ही थाना डिवीजन नंबर 2 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

फैक्ट्री में काम करने गया था परिवार

परिवार की सदस्य पुष्पा ने बताया कि वह और उसका पति फैक्ट्री में काम करने गए थे। उनकी बेटी, जो पहले से सिर की चोट से जूझ रही है, घर पर अकेली थी। धमाके के कारण घर का सारा कीमती सामान जलकर राख हो गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शुरूआती जांच में मामला गैस लीकेज का लग रहा है, लेकिन हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है।

विमुक्त जातियों के नेताओं ने सुभाष शर्मा को सौंपा मांग पत्र

जीरकपुर, यूटर्न, 20 जनवरी। लालडु में विमुक्त जातियों के चेयरमैन बरखा राम की रिटायरमेंट पार्टी के अवसर पर विमुक्त जातियों के नेताओं ने पंजाब वाटर एंड सीवरेज बोर्ड के वाइस चेयरमैन सुभाष शर्मा को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक मांग पत्र सौंपा। इस दौरान नेताओं ने विमुक्त जातियों से जुड़े लंबे समय से लंबित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और उनके शीघ्र समाधान की मांग की। यूनियन नेताओं ने बताया कि सुभाष शर्मा ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि सरकार विमुक्त जातियों के हक में गंभीरता से काम कर रही है और बहुत जल्द उनके अधिकारों से जुड़े अहम फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार विमुक्त जातियों के कल्याण, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और विकास से जुड़े कार्यों को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस मौके पर यूनियन नेता अमरजीत संगरूर, सुरजीत संगरूर, मलकीत पंजग्रेन, सुखजीत सिंह, देवी काउंके, बलविंदर सिंह आलमगीर, नरिंदर धीमान, सोनू और हरदीप सिंह सहित कई अन्य नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने उम्मीद जताई कि सरकार द्वारा किए गए वादे जल्द धरातल पर नजर आएंगे और विमुक्त जातियों को उनका वाजिब हक।

चट्ठा फूड्स ने कर्मचारियों और जरूरतमंद मजदूरों को बांटे गर्म कंबल

लालडू, यूटर्न, 20 जनवरी। लालडू में चट्ठा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड ने अपने कर्मचारियों को परिवार मानते हुए सराहनीय पहल की। कंपनी की ओर से करीब 300 कर्मचारियों और जरूरतमंद दिहाड़ीदार मजदूरों को सर्दी से बचाव के लिए गर्म कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर चट्ठा ग्रुप के चीफ ऑपरेशन ऑफिसर (सीओओ) गगनदीप सिंह बेदी और हेड कॉरपोरेट एचआर रचना चौधरी विशेष रूप से मौजूद रहे।

प्लांट हेड एचआर सोहन सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी लंबे समय से अपने कर्मचारियों का विशेष ध्यान रखती आ रही है और उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानती है। उन्होंने कहा कि चट्ठा फूड्स में सभी धार्मिक त्योहारों को पूरी आस्था के साथ मनाया जाता है और इस बार कड़ाके की ठंड को देखते हुए कर्मचारियों के लिए कंबल वितरण का निर्णय लिया गया।

इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि जब कंपनी अपने कर्मचारियों को अपना समझती है, तो कर्मचारी भी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कंपनी को अपना मानते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी कर्मचारियों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि कंपनी और कर्मचारियों के बीच आपसी तालमेल बना रहे और दोनों को लाभ हो।

उन्होंने यह भी बताया कि चट्ठा ग्रुप की ओर से एक नया प्लांट तैयार किया जा रहा है। इस प्लांट के निर्माण कार्य में लगे दिहाड़ीदार मजदूरों को भी कंपनी की ओर से कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

मंदिर कौड़ा खानदान कमेटी ने इवेंट के लिए ड्यूटीज सौंपीं: राकेश कौड़ा

शिव कौड़ा

फगवाड़ा, यूटर्न, 20 जनवरी। मंदिर कौड़ा खानदान कमेटी की एक जरूरी मीटिंग शिव मंदिर बगीची रायकोट में कमेटी की चेयरपर्सन श्रीमती तारावती कौड़ा और प्रेसिडेंट राकेश कुमार कौड़ा की लीडरशिप में हुई, जिसमें रविवार, 8 फरवरी को होने वाले 30वें कौड़ा परिवार मिलन सालाना इवेंट की तैयारियों पर चर्चा करने के बाद, इवेंट की कामयाबी के लिए कौड़ा खानदान से जुड़े पदाधिकारियों और गणमान्य लोगों को ड्यूटीज सौंपी गईं। इस बारे में जानकारी देते हुए कमेटी के जनरल सेक्रेटरी सुशील कौड़ा ने बताया कि कौड़ा खानदान के सालाना इवेंट में देश-विदेश से कौड़ा परिवार

अपने बड़ों का आशीर्वाद लेने पहुंचता है और माना जाता है कि सच्चे दिल से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है। इस प्रोग्राम को अच्छे तरीके से पूरा करने के लिए अलग-अलग ड्यूटीज भी सौंपी गईं। जिसमें लुधियाना के विवेक कौड़ा और मुकेश कौड़ा को लंगर सेवा का ओवरऑल इंचार्ज बनाया गया। सुशील कौड़ा ने आगे बताया कि 8 फरवरी को सुबह 9 बजे कौड़ा परिवार के पूर्वजों की जगह तलवंडी राय कलां में हवन किया जाएगा।

इस मीटिंग में कमेटी के फाइनेंस सेक्रेटरी रमन कौड़ा, गुलशन कुमार कौड़ा, राजिंदर कुमार कौड़ा,सुशील कुमार कौड़ा, गुलशन राय कौड़ा, मदन लाल कौड़ा, विक्रांत कौड़ा, विवेक कौड़ा,रजनीश कौड़ा, कुसुम कौड़ा,प्रदीप कौड़ा,कमल कौड़ा, मुकेश कौड़ा,अमित कौड़ा, राहुल कौड़ा,रोहित कौड़ा, बूटा राम कौड़ा,शिव कौड़ा, वरिंदर कुमार कौड़ा,सतीश कौड़ा, शेखर कौड़ा, विक्की कौड़ा आदि मौजूद थे।

Uturn Time 21 Jan 2026_Layout 2 20-01-2026 11:22 Page 12

'प्रदूषण से मुक्ति की राह: कचरे से चलेगी निगम की गाड़ियाँ, आईओसीएल संभालेगी कमान'

125 करोड़ का निवेश और 3 साल का इंतजार, निगम के सामने मैनेजमेंट की बड़ी चुनौती

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। चंडीगढ़ के ठोस कचरा प्रबंधन को स्थायी समाधान देने वाला कंप्रेस्ड बायोगैस (CBG) प्लांट अब औपचारिक रूप से जमीन मिलने के बाद अगले चरण में प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके वास्तविक संचालन तक का इंतजार लंबा होने वाला है। मौजूदा अनुमान के मुताबिक यह परियोजना दिसंबर 2028 से पहले चालू नहीं हो पाएगी। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि तब तक रोजाना निकलने वाले सैकड़ों टन कचरे को नगर निगम किस तरह नियंत्रित करेगा।

सोमवार को नगर निगम ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड को दस एकड़ भूमि सौंप दी, जबकि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए पांच एकड़ अतिरिक्त जमीन भी

चिन्हित की गई है। यह भूमि प्रतीकात्मक रूप से एक रुपये की लीज पर दी गई है। हालांकि, पर्यावरणीय और अन्य वैधानिक मंजूरियां अभी शेष हैं, जिससे परियोजना की समयसीमा और भी अहम हो जाती है।

तीन साल का ट्रांजिशन पीरियड, सबसे बड़ी चुनौती

सीबीजी प्लांट पूरी तरह से अलग किए गए गीले कचरे पर निर्भर करेगा। रोजाना करीब 200 टन ऑर्गेनिक वेस्ट और 30 टन गोबर से लगभग आठ टन बायोगैस तैयार की जाएगी। इस 125 करोड़ रुपये की परियोजना का पूरा निवेश आईओसीएल करेगी, जिससे नगर निगम पर सीधा वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। लेकिन प्लांट की सफलता निगम द्वारा समय से पहले की गई तैयारियों पर टिकी होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी तीन साल कचरा प्रबंधन के लिहाज से 'ट्रांजिशन फेज' होंगे। यदि इस अवधि में कचरे का प्रभावी सेग्रीगेशन और अस्थायी प्रोसेसिंग नहीं हुई, तो डंपिंग ग्राउंड पर दोबारा कचरे के ढेर लगने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

डंपिंग ग्राउंड से ही ईंधन की बिक्री

परियोजना के तहत आईओसीएल डंपिंग ग्राउंड परिसर में ही सीबीजी का रिटेल आउटलेट स्थापित करेगी। इससे आम नागरिकों के साथ-साथ नगर निगम के कचरा परिवहन वाहनों को भी वैकल्पिक ईंधन उपलब्ध होगा। चरणबद्ध तरीके से निगम के वाहन सीबीजी पर शिफ्ट किए जाएंगे, जिससे ईंधन खर्च घटने के साथ प्रदूषण नियंत्रण में भी मदद मिलेगी।

10 प्रतिशत मिश्रित कचरे की अनुमति

समझौते में यह प्रावधान भी किया गया है कि प्लांट में 10 प्रतिशत तक मिश्रित कचरा लिया जा सकेगा। इससे यह साफ होता है कि निगम को शत-प्रतिशत सेग्रीगेशन न होने की स्थिति को ध्यान में रखकर लचीलापन दिया गया है, हालांकि इससे सेग्रीगेशन की जिम्मेदारी कम नहीं होती।

अन्य शहरों का अनुभव, चंडीगढ़ के लिए संकेत

आईओसीएल का दावा है कि गोरखपुर, ग्वालियर और तमिलनाडु के नामक्कल जैसे शहरों में इसी तरह के सीबीजी प्लांट सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। वहां के अनुभव चंडीगढ़ के लिए मार्गदर्शक हो सकते हैं। बाजार में सीबीजी की कीमत सीएनजी के समान रहने और माइलेज भी लगभग बराबर होने की संभावना जताई जा रही है। कुल मिलाकर, सीबीजी प्लांट चंडीगढ़ के लिए दीर्घकालीन समाधान की दिशा में बड़ा कदम है, लेकिन दिसंबर 2028 तक का समय नगर निगम के लिए सबसे कठिन परीक्षा साबित हो सकता है। इस अंतराल में की गई हर चूक भविष्य में शहर को भारी कीमत चुकाने पर मजबूर कर सकती है।

14 साल बाद हाईकोर्ट की सख्ती, करंट हादसे में दिव्यांग हुए रमण को मिलेंगे अत्याधुनिक कृत्रिम अंग

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। बचपन में एक भयावह बिजली हादसे ने जिस जिंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया, अब उसी मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए राहत का रास्ता खोला है। वर्ष 2011 में करंट की चपेट में आकर दोनों हाथ और एक पैर गंवाने वाले रमण स्वामी को अब अत्याधुनिक आर्टिफिशियल अंग उपलब्ध कराने का निर्देश अदालत ने जारी किया है। हाई कोर्ट ने हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन लिमिटेड (एचएमएससीएल), पंचकूला को आदेश दिया है कि वह बिना देरी किए कृत्रिम अंगों की आपूर्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करे और उठाए गए सभी कदमों की जानकारी अदालत के समक्ष प्रस्तुत करे। अदालत ने साफ संकेत दिए कि मामले में अब और टालमटोल स्वीकार नहीं की जाएगी।

पानीपत जिले के सनौली खुर्द गांव निवासी रमण स्वामी उस समय मात्र पांच साल का था, जब तीन नवंबर 2011 को उसके घर की छत के ऊपर से गुजर रही हाई-टेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से

गंभीर हादसा हो गया। हादसे के बाद उसकी जान तो बच गई, लेकिन दोनों हाथ और बायां पैर काटना पड़ा, जिससे उसका पूरा बचपन और भविष्य शारीरिक निर्भरता में बीत गया। न्यायालय ने इस मामले को केवल मुआवजे तक सीमित न रखते हुए पुनर्वास और गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार से जोड़कर देखा। इससे पहले अगस्त 2025 में दिए गए अंतरिम आदेश में हाई कोर्ट ने हरियाणा के डायरेक्टर जनरल हेल्थ सर्विसेज को निर्देश दिया था कि विशेषज्ञों का एक मेडिकल बोर्ड गठित कर रमण के इलाज के सभी आधुनिक विकल्पों पर विचार किया जाए, जिसमें लिंब ट्रांसप्लांट जैसी संभावनाएं भी शामिल हों। इसी के तहत छह अगस्त 2025 को रमण की पीजीआई रोहतक में मेडिकल बोर्ड द्वारा विस्तृत चिकित्सकीय और रेडियोलॉजिकल जांच की गई। अब अदालत के ताजा आदेश से यह साफ हो गया है कि राज्य की जिम्मेदारी केवल इलाज तक नहीं, बल्कि पीड़ित को आत्मनिर्भर बनाने तक है। यह फैसला न केवल रमण स्वामी के लिए उम्मीद की किरण है, बल्कि बिजली हादसों के शिकार अन्य पीड़ितों के लिए भी एक महत्वपूर्ण कानूनी मिसाल माना जा रहा है।

रायपुरकलां गौशाला त्रासदी पर हाईकोर्ट सख्त, 50 गोवंश की मौत को बताया सिस्टम फेल्योर

अजीत झा

चंडीगढ़, यूटर्न, 20 जनवरी। रायपुरकलां स्थित गौशाला में गायों समेत करीब 50 गोवंश की मौत को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने प्रशासनिक तंत्र की गंभीर विफलता मानते हुए कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि यह घटना महज दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि नियामक संस्थाओं की लापरवाही और उदासीन रवैये का प्रत्यक्ष परिणाम है। जस्टिस संजय वशिष्ठ ने मामले को जनहित याचिका के रूप में दर्ज करने के निर्देश देते हुए केंद्र सरकार के स्वास्थ्य और पर्यावरण मंत्रालयों, चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। नोटिस संबंधित सचिवों, डिप्टी कमिश्नर और नगर निगम आयुक्त के माध्यम से जारी किए जाएंगे।

पॉलीथिन प्रतिबंध सिर्फ कागजों में

जस्टिस वशिष्ठ ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि शहर में पॉलीथिन पर प्रतिबंध होने के बावजूद इसका धड़ल्ले से इस्तेमाल प्रशासन की निष्क्रियता को दर्शाती है। लोग सब्जी और खाद्य कचरा पॉलीथिन में फेंकते हैं, जिसे आवारा पशु खा लेते हैं और अंततः जान गंवा बैठते हैं।

'नियम किताबों तक सीमित रह गए'

अदालत ने टिप्पणी की कि चंडीगढ़ को अनुशासित और योजनाबद्ध शहर माना जाता है, लेकिन इस घटना ने प्रशासनिक दावों की पोल खोल दी है। न्यायालय ने कहा कि जिन एजेंसियों को कानून लागू कराना था, उन्होंने आंखें मूंदे रखीं, जिसके चलते न केवल नियमों का उल्लंघन हुआ, बल्कि बेसहारा पशुओं को असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ी। हाईकोर्ट ने मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए बताया कि मृत गोवंश के पोस्टमार्टम में पॉलीथिन और प्लास्टिक कचरा पाया गया। नौ गायों में से सात के पेट में प्लास्टिक मिलने की बात सामने आई है, जिसे प्रारंभिक तौर पर मौत का मुख्य कारण बताया गया है। अदालत ने इसे प्रतिबंधित सामग्री के खुले उपयोग का सीधा नतीजा करार दिया।

प्रशासनिक कार्रवाई और जांच...कोर्ट के संज्ञान में यह भी आया कि नगर निगम ने मेडिकल ऑफिसर ऑफ हेल्थ और कैटल पाउंड के एक इंस्पेक्टर को निलंबित किया है। साथ ही संविदा पर कार्यरत पशु चिकित्सक, सेनेटरी इंस्पेक्टर, सुपरवाइजर और अन्य कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। पूरे मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश चंडीगढ़ के अतिरिक्त उपायुक्त को दिए गए हैं।

नगर निगम के अधीन गौशाला पर सवाल...कोर्ट ने यह भी नोट किया कि यह मामला तब उजागर हुआ, जब मक्खन माजरा स्थित कार्कस डिस्पोजल सेंटर में बड़ी संख्या में गोवंश के शव पहुंचने की खबरें सामने आईं। रिपोर्टों के अनुसार 14 जनवरी को रायपुरकलां की उस गौशाला में, जो नगर निगम के अधीन बताई जाती है, असामान्य परिस्थितियों में करीब 50 गोवंश मृत पाए गए।

कार्कस डिस्पोजल प्लांट बंद रहना बना संकट...अदालत ने यह भी संज्ञान लिया कि रायपुरकलां में 1.79 करोड़ रुपये की लागत से बना कार्कस डिस्पोजल प्लांट—जिसका उद्घाटन सितंबर 2025 में हुआ था—एक सप्ताह से अधिक समय तक बंद पड़ा रहा। प्लांट के बंद रहने से शवों का समय पर निस्तारण नहीं हो सका और स्थिति और गंभीर होती चली गई। कुछ रिपोर्टों में शवों के क्षत-विक्षत होने और उनके अंग गायब होने की बात भी सामने आई, जिससे अवैध गतिविधियों की आशंका जताई गई है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372